

पंजाब : लैंड पूलिंग पॉलिसी के विरोध में भाजपा निकालेगी 'जमीन बचाओ किसान बचाओ' यात्रा

चंडीगढ़ पंजाब में भारतीय जनता पार्टी ने भी राज्य सरकार की लैंड पूलिंग पॉलिसी के विरोध में प्रदर्शन का ऐलान कर दिया है। भाजपा 17 अगस्त से 5 सितंबर तक जमीन बचाओ, किसान बचाओ नाम से यात्रा निकालेगी। यह यात्रा पटियाला से शुरू होकर पठानकोट में संपन्न होगी। यात्रा उन इलाकों से होकर गुजरेगी, जहां पंजाब सरकार ने लैंड पूलिंग से संबंधित नोटिफिकेशन जारी किए हैं। भाजपा नेता केवल सिंह दिल्ली ने बुधवार को कहा कि पार्टी पूरी तरह किसानों के साथ खड़ी है और इस यात्रा का उद्देश्य किसानों की जमीन और अधिकारों की रक्षा करना है। केवल सिंह दिल्ली ने कहा कि पंजाब सरकार की लैंड पूलिंग पॉलिसी के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी, जिसमें हम शामिल हुए। हमने वादा किया कि हम चट्टान की तरह किसानों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोगों की रोजी-रोटी खेतों से जुड़ी है। अगर किसानों की जमीन ही नहीं रहेगी, तो हम कंगाल हो जाएंगे। सरकार ने लैंड पूलिंग के तहत 6563 एकड़ जमीन अधिग्रहित करने का फैसला लिया है। यह जमीन हड़पने की कोशिश है, जिसे बिड़रों को दिया जाना है। इसका मकसद आने वाले चुनावों के लिए फंड जुटाना है।

भाजपा जल्द शुरू करेगी पंजाब में किसान सुरक्षा आंदोलन: चुग
नई दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने बुधवार को आरोप लगाते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार ने हाल ही में शुरू की गई लैंड पूलिंग योजना के माध्यम से दिल्ली के रियल एस्टेट कारोबारियों से 30,000 करोड़ रुपये का गुप्त सोदा किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से इस कथित सोदे पर स्पष्टीकरण की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में किसान सुरक्षा आंदोलन चलाएगी। बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी कर तरुण चुग ने लैंड पूलिंग योजना को पंजाब की जमीन की लूट करार दिया।

धराली: सरकार ने राहत व बचाव कार्य में झोंकी ताकत



नई दिल्ली उत्तरकाशी में बादल फटने की घटना के बाद निचले हर्षिल क्षेत्र में एक शिविर से लापता भारतीय सेना के जवानों के बारे में कोई खबर नहीं है। इसके बावजूद भारतीय सेना के जवानों ने राहत कार्य तेज कर दिया है। अब तक 70 से ज्यादा लोगों को बचाया जा चुका है। गंगोत्री और धराली में दो अतिरिक्त बचाव और राहत टुकड़ियां तैनात की गई हैं। हर्षिल से धराली तक सड़क मार्ग खोलने के लिए मिट्टी हटाने वाले उपकरण तैनात किए गए हैं। फंसे हुए नागरिकों का पता लगाने के लिए ड्रोन और बचाव कुत्तों की मदद ली जा रही है। भारतीय सेना के अधिकारियों ने बताया कि निचले हर्षिल क्षेत्र में एक शिविर से 8-10 भारतीय सेना के जवान लापता बताए जा रहे हैं। इस घटना में अपने ही लोगों के लापता होने के बावजूद भारतीय सेना के जवान

राहत कार्यों में लगे हुए हैं। सेना ने बुधवार को एक बयान में बताया कि उत्तराखंड के धराली में भूस्खलन के बाद अब तक 70 से ज्यादा लोगों को बचाया जा चुका है। गंगोत्री और धराली में दो अतिरिक्त बचाव और राहत टुकड़ियां तैनात की गई हैं। हर्षिल से धराली तक सड़क मार्ग खोलने के लिए मिट्टी हटाने वाले उपकरण तैनात किए गए हैं। फंसे हुए नागरिकों का पता लगाने के लिए ड्रोन और बचाव कुत्तों की मदद ली जा रही है। निकाले गए लोगों को चिकित्सा सहायता और भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। उत्तरकाशी में बादल फटने के बाद बचाव दल का नेतृत्व कर रहे 14वीं राजपूताना राइफल्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल हर्षवर्धन ने बताया कि धराली के खोरागढ़ में हुए विनाशकारी भूस्खलन के बाद 150 कर्मियों के साथ महत्वपूर्ण बचाव और राहत कार्यों में लगे हुए हैं।

ट्रंप ने भारत पर लगाया 25 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ

भारत ने अमेरिका के 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ को बताया 'अनुचित', राष्ट्रीय हित में उठाएंगे सभी आवश्यक कदम: भारत



शुल्कों और टैक्स के अतिरिक्त होगा, जबकि कुछ खास मामलों में छूट भी दी जा सकती है।
ट्रंप की धमकी से डरे 100 से ज्यादा देश: अमेरिका से ट्रेड डील की, भारत समेत 5 देश नहीं झुके
राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी संसद के जॉइंट सेशन में दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि हमारी इकोनॉमी लगातार घाटे में जा रही है। इस नुकसान से बचने के लिए हम उन सभी देशों पर टैरिफ लगाएंगे, जो हमारे सामानों पर टैरिफ लगाते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने करीब एक महीने बाद 2 अप्रैल को भारत समेत 69 देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की। यह 9 अप्रैल से लागू होने वाला था,

भारत कैसे हो जाएगा प्रतिस्पर्धा से बाहर

इस साल अप्रैल से पहले भारतीय फुटवियर पर आठ प्रतिशत का शुल्क लगाया था तो अब अमेरिका होने वाले फुटवियर के निर्यात पर 50 और आठ वानी कि 58 प्रतिशत का शुल्क लगेगा। निर्यातकों का कहना है कि अब अमेरिका के बाजार में प्रतिद्वंद्वी देश का मुकाबला करना काफी मुश्किल हो जाएगा। क्योंकि अमेरिका में निर्यात करने वाले देशों में ब्राजील को छोड़ किसी भी अन्य देश पर 50 प्रतिशत का शुल्क नहीं लगाया गया है। यहां तक कि गत मई-जून तक चीन को लगातार भला-बुरा कहने वाले ट्रंप ने चीन पर 30 प्रतिशत का ही शुल्क लगा रखा है और

नई दिल्ली भारत ने अमेरिका की ओर से लगाए गए 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ को अनुचित करार देते हुए कहा कि देश अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठायेगा। भारत का कहना है कि अन्य देश भी अपने राष्ट्रीय हितों में रूस से आयात कर रहे हैं। ऐसे में भारत पर टैरिफ लगाना अनुचित और समझ से परे है। अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से जारी टैरिफ संबंधी एजीक्यूटिव ऑर्डर पर विदेश मंत्रालय प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने उक्त प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अमेरिका की ओर से भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगाए जाने को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठायेगा। प्रवक्ता ने कहा कि हाल के दिनों में अमेरिका ने रूस से भारत के तेल आयात को निशाना बनाया है। हमने इन मुद्दों पर अपनी स्थिति पहले ही स्पष्ट कर दी है। हमारा आयात बाजार



कारकों पर आधारित है तथा इसका समग्र उद्देश्य भारत के 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है।
भारत को निशाना बना रहे ट्रंप लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भी ट्रंप के फैसले को आर्थिक ब्लैकमेल बताते हुए सरकार से दबाव में नहीं आने को लेकर सचेत करते हुए कि ट्रंप अनुचित समझौते के लिए धमकाने का प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका के पारस्परिक शुल्क की घोषणा से पहले जो शुल्क भारतीय वस्तुओं पर लागू हो रहा

था, उसे भी जोड़ा जाएगा। हालांकि दवा और इलेक्ट्रॉनिक्स खासकर स्मार्टफोन को पहले की तरह इस शुल्क के दायरे से बाहर रखा गया है।
इन वस्तुओं पर इस साल अप्रैल से पहले वाले शुल्क मान्य होंगे। सबसे बड़ी बात है कि वर्ष 2024 में चीन ने रूस से 62 अरब डॉलर के तेल की खरीदारी की जबकि भारत की यह खरीदारी 52 अरब डॉलर की थी। फिर भी ट्रंप अब चीन की जगह भारत को निशाना बना रहे हैं।

अमृतकाल में कर्तव्य भवन से तय होगी देश की दिशा: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को राजधानी दिल्ली में नव-निर्मित 'कर्तव्य भवन' का लोकार्पण करते हुए कहा कि यह भवन केवल एक सरकारी इमारत नहीं, बल्कि विकसित भारत के निर्माण का प्रतीक और यह राष्ट्र निर्माण की दिशा तय करने वाला केंद्र बनेगा। कर्तव्य पथ पर आयोजित एक भव्य सार्वजनिक समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में कर्तव्य शब्द केवल कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों तक ही सीमित नहीं है। यह भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा है, जो कम प्रधान दर्शन को प्रतिबिंबित करता है। उन्होंने भगवद्गीता का उल्लेख करते हुए



कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने भी कर्तव्य को सर्वोपरि माना है। उन्होंने कहा, कर्तव्य केवल अधिकार नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व की भावना से जुड़ा है, जो देश के भविष्य की आधारशिला है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि बहुत विचार-विमर्श के बाद इस भवन का नाम कर्तव्य भवन रखा गया है। यह नाम सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि एक जीवंत विचार है जो नीतियों, योजनाओं और फैसलों के केंद्र

के रूप में कार्य करेगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि अमृतकाल में यह भवन नीतिगत निर्णयों का मुख्य केंद्र बनेगा, जहां से आने वाले दशकों की दिशा तय की जाएगी। उन्होंने बताया कि अमृतकाल में राष्ट्र निर्माण से जुड़े जो भी निर्णय होंगे, वे अब इन नए भवनों से संचालित होंगे। उन्होंने कहा कि कर्तव्य पथ, नया संसद भवन, भारत मंडपम, यशोभूमि, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा जैसे स्मारक आधुनिक भारत के प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार विकास के इस दौर में केवल इमारतें नहीं बना रही, बल्कि नई सोच, नई दिशा और नए भारत की नींव रख रही है।

राजनीतिक दल एसआईआर पर भ्रम न फैलायें, सुधार के लिए दर्ज करायें आपत्ति: चुनाव आयोग

नई दिल्ली चुनाव आयोग लगातार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत राजनीतिक दलों से भ्रम न फैलाने और प्रक्रिया में भागीदारी की अपील कर रहा है। आयोग का कहना है कि नियम के तहत मतदाता सूची को अपडेट किया जा रहा है। हर स्तर पर राजनीतिक दलों से जानकारी साझा की जा रही



है। अभी तक दलों की ओर से कोई आपत्ति या दावे नहीं आए हैं।

आज अपनी विरासत, विकास और शिक्षा पर गौरव कर रहा उत्तर प्रदेश: योगी

मुरादाबाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को मुरादाबाद में 79 करोड़ की लागत से निर्मित अटल आवासीय विद्यालय का उद्घाटन करते हुए विपक्ष पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जो लोग तुष्टीकरण की राजनीति कर के सत्ता में आते थे, वे आज घर के हैं न घाट के। ऐसे लोग ना तो समाज के साथ खड़े हो पाए, न ही भविष्य की पीढ़ी के साथ। सीएम योगी ने साफ कहा कि भाजपा की योजनाएं तुष्टीकरण नहीं, संतुष्टीकरण पर आधारित हैं जो बिना भेदभाव के हर व्यक्ति तक पहुंचती हैं। उन्होंने विपक्ष पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि एक दौर था जब तुष्टीकरण की राजनीति करने वालों के लिए सत्ता केवल एक महत्वपूर्ण बचाव और राहत कार्यों में लगे हुए हैं।



था। लेकिन आज वही लोग संतुष्टीकरण को लेकर परेशान हैं। हमारी सरकार तुष्टीकरण नहीं, संतुष्टीकरण के मार्ग पर चलती है। इसीलिए जनता का विश्वास आज भाजपा के

साथ है। मुख्यमंत्री ने मुरादाबाद के लोगों को रक्षा बंधन, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं और घोषणा की कि 8, 9, 10 अगस्त को प्रदेश की सभी

बहनों को रोडवेज बसें में मुफ्त यात्रा सुविधा दी जाएगी।
श्रमिकों के धन की बंद हुई बंदरबांट
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षा बंधन के पर्व से ठीक पहले इस शिक्षा केंद्र को मुरादाबाद मंडल के बच्चों और श्रमिक परिवारों को समर्पित करते हुए इसे अटल जी की स्मृति को समर्पित आदर्श शिक्षा मंदिर घोषित किया। सीएम योगी ने बताया कि यह विद्यालय न केवल शिक्षा का केंद्र है बल्कि संस्कार, अनुशासन और आत्मनिर्भरता का भी स्रोत बनेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बीओसी फंड के सार्थक उपयोग की दिशा में

दिष्ट किए निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि अब यह धन श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा पर खर्च हो रहा है। पहले की सरकारों में यही धन बंदरबांट और भ्रष्टाचार का जरिया बन चुका था। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक प्रदेश में 18 अटल आवासीय विद्यालय स्थापित हो चुके हैं, जो 18,000 से अधिक श्रमिक और अनाथ बच्चों को पूरी तरह निशुल्क, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे रहे हैं। उन्होंने इसे शिक्षा के प्रति सरकार की अटल प्रतिबद्धता बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा में भाजपा सरकार ने नकल को समाप्त कर ईमानदार व्यवस्था लागू की है, जिससे उत्तर प्रदेश अब शिक्षा के क्षेत्र में देश में तीसरे और पांचवें स्थान तक पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि इन विद्यालयों में लैब, और कौशल विकास की व्यापक व्यवस्थाएं हैं।

नारी निकेतन, अमृतसर में तीज उत्सव मनाया गया

अमृतसर 6 अगस्त : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा) सामाजिक सुरक्षा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग, पंजाब के अंतर्गत सामुदायिक मानसिक मॉडित गृह एवं राजकीय पश्चात देखभाल गृह, नारी निकेतन परिसर, अमृतसर में तीज उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री

हरभजन सिंह की पत्नी श्रीमती सुहिंदर कौर, ईटीओ और उपायुक्त श्रीमती साक्षी साहनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इसके अलावा अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ची) मैडम परमजीत कौर, श्रीमती सुरिंदर कुमारी कार्यकारी अधिकारी अमृतसर इंयूवमेंट ट्रस्ट, श्रीमती कमलजीत गिल अध्यक्ष, स्पेशल ओलंपिक्स इंडिया, अमृतसर, श्री सरूप सिंह पन्नु, श्री

रमेश कपूर (जगत ज्योति वेलफेयर सोसाइटी, अमृतसर), डॉ. अर्पिता कंसल (संचिव), रोटरी क्लब अमृतसर प्रीमियर, डॉ. तनुजा गोयल और श्री नरिंदरजीत कौर पन्नु, सदस्य जेजेबी, मैडम स्वराज ग्रोवर, मास्टर मनमोहन लाल भगत, वाइस कोऑर्डिनेटर एनएमएम, श्री बलविंदर सिंह काला प्रभारी वार्ड नंबर 12, श्री जसप्रीत सिंह (सीडीपीओ, शहरी

1), श्री गगनदीप सिंह (सीडीपीओ मजीठा), कुमारी सुमनदीप कौर (डीपीओ), श्रीमती। मीना देवी (डीएसएसओ), श्री तरूणजीत सिंह (डीसीपीओ), श्रीमती। नेहा चोपड़ा (सीपीओ), मिस सविता रानी (अधीक्षक एमआर होम), श्रीमती। इस अवसर पर राजिंदर कौर (अधीक्षक, आफ्टर केयर होम) उपस्थित थीं।

तीज उत्सव का उद्देश्य समाज में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों और पिछड़े वर्गों को प्रोत्साहित करना और समाज को इन बच्चों की मदद के लिए आगे आने के लिए आमंत्रित करना है। इस अवसर पर विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों ने भाग लिया, जिनमें आगोश, बीबी भानी ब्लाईंड स्कूल, मिशनदीप, दीप

दव्या वेलफेयर सोसाइटी शामिल थीं। इन संगठनों की लड़कियों ने तीज के त्योहार से संबंधित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस अवसर पर, जिला शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक और माध्यमिक) के कार्यालय द्वारा शिक्षा और खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली 4 लड़कियों को सम्मानित किया गया।

शहीद मदन लाल दींगरा जी का शहीदी दिवस 17 अगस्त को

मनाया जाएगा- विधायक गुप्ता

अमृतसर, 4 अगस्त: (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, चंद्र मोहन, साहिल रहेजा)

हर साल की तरह, पंजाब सरकार इस साल भी शहीद मदन लाल दींगरा जी का शहीदी दिवस राज्य स्तर पर मनाएगी। इस अवसर पर, गोलबाग स्थित शहीद मदन लाल स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस अवसर पर, अमृतसर सेंट्रल के विधायक डॉ. अजय गुप्ता ने कहा कि पंजाब सरकार इस दिवस का राज्य स्तर पर आयोजन कर रही है और

पंजाब के कैबिनेट मंत्री और विधायक इस कार्यक्रम में भाग लेंगे और शहीद को श्रद्धांजलि देंगे।

इस संबंध में तैयारियों की समीक्षा करते हुए, अतिरिक्त उपायुक्त श्री रोहित गुप्ता ने अधिकारियों को स्मारक के आसपास सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर, स्कूली बच्चों द्वारा देशभक्ति के गीत भी गाए जाएंगे और शहीद मदन लाल दींगरा जी की जीवनी पर एक नाटक भी प्रस्तुत किया जाएगा।

आगामी नगर निकायों के चुनाव हेतु आम आदमी पार्टी द्वारा खैरथल-तिजारा जिले के लिए राकेश शर्मा को जिला प्रभारी नियुक्त किया

खैरथल संवाददाता अमित शर्मा खैरथल: खैरथल नगर निकायों के चुनाव हेतु आम आदमी पार्टी द्वारा खैरथल-तिजारा जिले के लिए राकेश शर्मा को जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है राकेश शर्मा को जिला प्रभारी नियुक्त करने पर शहर के कई सामाजिक संगठनों ने उन्हें बधाई दी



सिंधी सखी समिति ने धूमधाम से मनाया हरियाली तीज (टिजरी) उत्सव



खैरथल संवाददाता अमित शर्मा

खैरथल,: सिंधी सखी विकास समिति द्वारा बुधवार को हरियाली तीज उत्सव (टिजरी) पारंपरिक उल्लास के साथ एक निजी होटल में मनाया गया। समिति की अध्यक्ष गीता साधवानी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं ने सिंधी संस्कृति की झलक प्रस्तुत करते हुए बढ़-चढ़कर भाग लिया। उत्सव में शामिल महिलाओं ने हरे और लाल रंग की पारंपरिक साड़ियाँ पहनकर, हाथों में मेहंदी और हरी चूड़ियों से श्रृंगारित होकर तीज माता के गीतों पर नृत्य किया। सावन की मस्ती के साथ झूले झूलते हुए लोकगीतों की गूंज ने माहौल को और भी उल्लासपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मनोरंजक गतिविधियाँ जैसे गेम्स, नृत्य और तीज क्वीन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 'तीज क्वीन' प्रतियोगिता में हिमांशी बोदवानी और चारु बोदवानी को विजेता घोषित किया गया। इस आयोजन में समिति की अध्यक्ष गीता साधवानी के साथ नैना रोधा, एकता, बरखा, कोमल, हिमांशी, जीया, सपना, सोम्या, भाविका और भारती ने विशेष योगदान दिया।

दबंगों ने रास्ता रोका सांसद को दिया ज्ञापन देश का दर्पण .दैनिक पेपर



न्यूज रिपोर्टर.राकेश कोठेनिया हलेना

कटूमर (अलवर) दबंगों की दबंगई से रास्ते को बन्द किया घोषराना,तहसील,कटूमर,जिला (अलवर) गरीब घर से हु मेरे गांव में गरीब लोगों से जबरन काम के लिए उकसाते है। गुलामी वाले शब्दों से प्रभावित करते है। रास्ते में बिजली के खंभे भी गाड़ दिए।। मैने इस आवाज को देखते उठाना चहा तो मुझे धमकियां मिलने लगीं। समाज सेबी गोकुल सिंह पुत्र रामस्वरूप जाटव घोषराना ने बताया पहले इस रास्ते में ट्रैक्टर निकल जाता था अब उस रास्ते मोटर साइकिल निकलना दुर्भर है मेरे पर मुकदमे दर्ज के लिए भी बोला। ये रास्ता खसरा नंबर 409, रकबा मद्रसा विद्यालय खसरा नंबर 770 रकबा 0400 का है जाटव समाज ने रास्ते की समस्या के बारे में 30 जुलाई को टोल फ्री नंबर अडउफ इड/ फ़ख /2025 /303434 शिकायत कर चुके है सांसद संजना जाटव को दिया ज्ञापन।

विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 , विशेष कैम्प में दावा –आपत्ति लेने के साथ-साथ डॉक्यूमेंट अपलोडिंग का कार्य जारी

सीवान संवाददाता मसरूर अहमद सिवान 06 अगस्त 2025 बुधवार को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 01 अगस्त 2025 को प्रकाशित प्राप्‍रूप मतदाता सूची में दवा एवं आपत्तियाँ प्राप्त करने एवं डॉक्यूमेंट अपलोडिंग के उद्देश्य से सभी प्रखंड /अंचल/नगर निकाय/पंचायत कार्यालय में विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है। निर्वाचक सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के क्रम में दवा/ आपत्ति अविधि 01 अगस्त से 01 सितंबर 2025 तक मतदाताओं से प्राप्त किया जाएगा । मतदाताओं को विशेष सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उक्त अविधि में मिशन मोड में दवा-आपत्ति के निवारण के लिए विशेष कैंप का संचालित किया जा रहा है। नानारिक की सुविधा के लिए विशेष कैंप का आयोजन 10:00 बजे से 5:00 बजे अपराह्न तक सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालय एवं सभी नगर निकायों में आयोजित किया गया है। सभी कैंप में जिले का कोई भी मतदाता किसी भी प्रकार के दावा-आपत्ति आवेदन पत्र फॉर्म-6 ,फॉर्म-7,फॉर्म-8 एवं अन्य दस्तावेज समर्पित कर सकते हैं। फॉर्म 06:-नये मतदाता पंजीकरण के लिए फार्म 07,- मतदाता सूची में नाम विलोपन हेतु फार्म 08,--स्थानान्तरण, प्रविष्टियों में सुधार ,पी डब्लू डी निर्वाचक के रूप में परिन्‍हित करने हेतु। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी सिवान, डॉआदित्य प्रकाश ने स्पष्ट शब्दों में आदेश देते हुए कहा है कि प्रत्येक दिन कार्य दिवस समाप्ति के पश्चात संबंधित सहायक निर्वाची पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी का यह व्यक्तिगत दायित्व होता कि प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को विधानसभा वार/मतदान केंद्र वार अलग-अलग कर संबंधित को उपलब्ध कराएंगे।

सीवान जिले के भूमि उप समाहर्ता और अपर समाहर्ता के कामकाज में अनियमितता और मनमानी को लेकर एक महत्वपूर्ण पत्र राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को भेजा है। इस पत्र में, विभिन्न आवेदकों, जिसमें जिला अधिवक्ता संघ, सीवान के अधिवक्ता भी शामिल हैं, द्वारा की गई शिकायतों का जिक्र है।

ग्रामीण विकास विभाग की संयुक्त सचिव रुक्मिणी कुमारी द्वारा अपर मुख्य सचिव, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार, पटना को 5 अगस्त, 2025 को लिखे गए इस पत्र (पत्रांक-4432734/पटना) में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि इन

पर्यावरण बचाने का संदेश लेकर साइकिल से निकले युवक, पहुंचे गंगासागर झ्र अब लक्ष्य सुंदरबन

रमेश राय, गंगासागर:

पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने का एक ही लक्ष्य लेकर हुगली जिले के महानंद गांव के युवक सागर कर साइकिल से यात्रा पर निकले हैं। उन्होंने गंगासागर के कपिलमुनि आश्रम पहुंचकर अपने अभियान हूँ कि हम अपनी रोजमर्रा की चीजों को भी पर्यावरण के अनुकूल बनाएं।हसागर कर पहले भी लगता है, ना डीजल। यह पूरी तरह से पर्यावरण अनुकूल है। इसी माध्यम से मैं यह संदेश देना चाहता हूँ कि हम अपनी रोजमर्रा की चीजों को भी पर्यावरण के अनुकूल बनाएं।हसागर कर पहले भी



लगता है, ना डीजल। यह पूरी तरह से पर्यावरण अनुकूल है। इसी माध्यम से मैं यह संदेश देना चाहता हूँ कि हम अपनी रोजमर्रा की चीजों को भी पर्यावरण के अनुकूल बनाएं।हसागर कर पहले भी

श्रीमती पुतुल देवी, रघुनाथपुर प्रखंड की जीविका दीदी को राष्ट्रपति भवन से स्वतंत्रता दिवस स्वागत समारोह- 2025 कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शामिल होने का मिला निमंत्रण पत्र

सीवान संवाददाता मसरूर अहमद सिवान,06 अगस्त 2025 बुधवार को

जिला को गौरवान्वित करने वाला समाचार प्राप्त हुआ है। " एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत वर्ष- 2024-25 में बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्वयंसेवक/ कार्यकर्ता/ जीविका दीदी को राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में आयोजित स्वतंत्रता दिवस स्वागत समारोह- 2025 के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भारत सरकार केअतिथि के रूप में शामिल करने हेतु नाम की अनुशंसा की मांग की गई थी। इसी क्रम में श्रीमती पुतुल देवी रघुनाथपुर प्रखंड निवासी जीविका दीदी का नाम "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत वर्ष 2024-25 में बेहतर प्रदर्शन करने वालों के रूप में वन प्रमंडल पदाधिकारी, सिवान के द्वारा अनुशंसित किया गया था। श्रीमती पुतुल देवी को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस स्वागत समारोह- 2025 के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने हेतु अतिथि के रूप में निमंत्रण पत्र प्राप्त हुआ है। पूरे बिहार से एकमात्र श्रीमती पुतुल देवी को ही निमंत्रण पत्र प्राप्त हुआ है। विदित हो कि श्रीमती पुतुल देवी, जीविका दीदी के द्वारा मुख्यमंत्री (निजी/अन्य) पौधशाला का संचालन लगभग 5 वर्षों से किया जा रहा है। श्रीमती पुतुल देवी के द्वारा अपने ग्राम में सभी ग्रामीण विशेषकर महिलाओं को" एक पेड़ मां के नाम "योजना के तहत पौधारोपण करने हेतु लगातार जागरूक किया जा रहा है। साथ ही विगत वर्ष में उनके द्वारा 2500 पौधा का वितरण भी किया गया था।



श्रीमती पुतुल देवी को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस स्वागत समारोह- 2025 के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने हेतु अतिथि के रूप में निमंत्रण पत्र प्राप्त हुआ है। पूरे बिहार से एकमात्र श्रीमती पुतुल देवी को ही निमंत्रण पत्र प्राप्त हुआ है। विदित हो कि श्रीमती पुतुल देवी, जीविका दीदी के द्वारा मुख्यमंत्री (निजी/अन्य) पौधशाला का संचालन लगभग 5 वर्षों से किया जा रहा है। श्रीमती पुतुल देवी के द्वारा अपने ग्राम में सभी ग्रामीण विशेषकर महिलाओं को" एक पेड़ मां के नाम "योजना के तहत पौधारोपण करने हेतु लगातार जागरूक किया जा रहा है। साथ ही विगत वर्ष में उनके द्वारा 2500 पौधा का वितरण भी किया गया था।

जिला चिकित्सालय में स्तनपान सप्ताह के तहत पोस्टर औरक्विज प्रतियोगिता आयोजित

सुरज वर्मा

शहपुरा शहर में जिला चिकित्सालय शहपुरा में विश्व स्तनपान सप्ताह (1 से 7 अगस्त) के अंतर्गत बुधवार को पोस्टर एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम के अनुरूप कार्यक्रम का उद्देश्य छह माह तक के नवजात शिशुओं के लिए मातृत्व दूध के महत्व को जागरूक कराना रहा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (पीएमओ) डॉ. अशोक जैन ने बताया कि हमें मां का पहला दूध नवजात के लिए जीवन रक्षक अमृत के समान होता है। इससे बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और शारीरिक व मानसिक विकास को बल मिलता है।प्रतियोगिता में नर्सिंग ऑफिसर निर्मला नागर और चंदा सेन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं क्विज प्रतियोगिता में ममता धाकड़ (निर्मला नागर) को विजेता घोषित किया गया। विजेताओं को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर डॉ. श्रद्धा जैन (स्तनपान प्रबंधन इकाई प्रभारी), डॉ. अमित गुप्ता, अशोक चौधरी, ओमप्रकाश शर्मा, कैलाश गोठवाल सहित अस्पताल का समस्त चिकित्सा एवं नर्सिंग स्टाफ मौजूद रहा।

साइकिल से कन्याकुमारी, तिरुपति बालाजी, दक्षिणेश्वर, कालीघाट जैसे कई स्थानों की यात्रा कर चुके हैं और हर यात्रा का मकसद रहा है झ्र पर्यावरण की रक्षा। अब उनकी नजर सुंदरबन पर है। वे कहते हैं

हहमें सुंदरबन को बचाना होगा। मैं सुंदरबन के हर कोने में जाकर लोगों को समझाना चाहता हूँ कि हमें अपने पर्यावरण को बचाना होगा। मेरी अगली मंजिल है बकखाली।

पुलिस द्वारा जिले के शिक्षण संस्थानों में सायबर जागरूकता के लिए विधार्थियों को किया जागरूक

पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में आज जिले में सभी थानों की पुलिस टीमों द्वारा शिक्षण संस्थानों में पहुंच कर छात्र छात्राओं को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक किया गया। साइबर ठगी से बचने के लिए कई बिंदुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान पुलिस की टीमों ने विधार्थियों को बताया कि इंटरनेट के उपयोग की सही जानकारी होने पर साइबर अपराध से बचा जा सकता है। ऑनलाइन खातों के लिए मजबूत पासवर्ड बनाए, इसके अलावा सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे व्हाट्सअप, ट्विटर(एक्स), फेसबुक व इंस्टाग्राम पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक न करें। क्योंकि कोई भी व्यक्ति आसानी से आपकी जानकारी का इस्तेमाल कर दुरुपयोग कर सकता है। फर्जी लॉटर्री लगने का कौल करने वालों को कभी अपनी बैंक की डिटेल शेयर न करें। डिजिटल अरेस्ट से बचाव के लिए बताया गया कि किसी भी अनजान कॉल, मैसेज पर प्रतिक्रिया न दें। टावर लगाने के नाम पर भी लोगों से ठगी की जाती है। इससे बचने हेतु किसी अज्ञात बैंक खाता में पैसा जमा न करें। छात्र, छात्राओं को विस्तारपूर्वक व्हाट्सअप, एक्स, फेसबुक व इंस्टाग्राम आदि को सुरक्षित रखने हेतु बताया गया। अन्त में सभी छात्र-छात्राओं व स्कूल के स्टाफ से अपेक्षा की कि वर्कशॉप में दी गई जानकारी को अपने परिवार, आस-पड़ोस में अधिक से अधिक लोगों को बतायें जिससे की कोई भी व्यक्ति जानकारी के अभाव में साइबर अपराधियों का शिकार न हो। इस दौरान जिले के विभिन्न स्कूलों व कालेज में पुलिस की टीमों ने बताया कि सायबर सुरक्षा के सतर्कता ही अहम उपाय है इसके साथ ही ये भी बताया गया कि सायबर सुरक्षा के लिए क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए क्या करें

- पासवर्ड बनाने से पहले ध्यान रखें कि वो यूनिक और कठिन हो।
- हर ऑनलाइन अकाउंट के लिए अलग पासवर्ड रखें।
- सोशल मीडिया साइट्स के लिए सेकेंडरी ई-मेल एड्रेस बनाकर रखें।
- अगर कोई अकाउंट आप इस्तेमाल नहीं करते हैं तो उसे डिलीट कर दें।
- हमेशा प्रमाणािक व लाइसेंस वाले सॉफ्टवेयर का ही प्रयोग करें।
- ऑनलाइन बैंकिंग में ध्यान रखें कि आपने यूआरएल को मैनुअली टाइप किया हो।
- अज्ञात ई-मेल में आए किसी भी अटैचमेंट को डाउनलोड करने से बचें।
- एप ऑफिशियल स्टोर गूगल प्ले स्टोर व एप्पल के फेयर ऐप स्टोर से लें।

क्या न करें

- अपनी किसी भी जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा न करें।
- किसी भी असुरक्षित और फेक वेबसाइट पर जाने से बचें।
- ऑनलाइन अकाउंट्स को हमेशा लॉग आउट करें।
- क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड की जानकारी वेब ब्राउजर में जमा न करें।
- निजी और बैंकिंग ब्योरा फोन या ई-मेल या एसएमएस से शेयर न करें।
- अपनी व्यक्तिगत/ निजी तस्वीरें सार्वजनिक रूप से साझा न करें।
- शर्म, शर्मिंदगी और आत्म-दोष के कारण शिकायत दर्ज में संकोच न करें। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में इसके अलावा सभी थानों की पुलिस टीमों द्वारा छात्र छात्राओं को फर्जी लॉन एप, वर्तमान सेक्सटॉर्शन, क्यूआर कोड पेमेंट फ्रॉड, फर्जी सरकारी साइट,एंटी वायरस जानकारी साझा करते हुए उससे बचने की सलाह दी गई

भीलवाड़ा फुटबॉल संघ एक पुनः रचेगा इतिहास



सुरज वर्मा

भीलवाड़ा जिले में राजस्थान फुटबाल संघ ने एक बार फिर जिला फुटबॉल संघ पर विश्वास जताते हुए दी बड़ी जिम्मेदारी जिला फुटबॉल संघ के सचिव कैलाश चंद्र खटीक ने बताया राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने एक बार फिर सीनियर महिला स्टेड प्रतियोगिता की मेजबानी भीलवाड़ा को सौंपी हे साल 2021 में भीलवाड़ा ने वीटी इंटरनेशनल स्कूल में सीनियर महिला फुटबाल प्रतियोगियों का सफल और शानदार आयोजन कराया था उसी की तर्ज पर सभी जिला संघों की मांग पर इस बार भी इस प्रतियोगिता की मेजबानी भीलवाड़ा को सौंपी हे संघ के प्रवक्ता दीपक खींची ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 16 अगस्त से प्रतियोगिता प्रारंभ होगी प्रतियोगिता में कुल 30 टीमों में 600 खिलाड़ी के साथ कुच राष्ट्रीय खिलाड़ी भी भाग लेंगे सभी मैच विटी इंटरनेशनल स्कूल के मैदान पर खेले जाएंगे प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका निभाने वाले सभी निर्णायक कैट 4 डिग्री धारी लोकेश बुनकर जगदीश बुनकर गोपाल लुहार अमन चंदेल योगेश वर्मा रहेंगे प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी खिलाड़ियों को आवास भोजन एवं पारितोषिक जिला फुटबॉल संघ द्वारा निःशुल्क दिया जाएगा प्रतियोगिता के आयोजन अध्यक्ष वशिष्ठ विश्नोई एवं सचिव ओमप्रकाश काबरा एवं सह सचिव शंकर लाल जीनार एवं आवास प्रभारी इहलाद सिंह होंगे 14 अगस्त को जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष लादू लाल तेली द्वारा जिले की टीम की घोषणा की जाएगी इस अवसर पर कैलाश चंद्र कोठारी दुर्गेश जोशी मिथलेश मारू भेरू लाल जीनगर अनिल व्यास पारसराम छापरवाल डालचंद चंदेल सदिक पठान दिनेश सेन अब्दुल वाब तेजपाल वर्मा बनवारी शर्मा विनोद रूनवाल चेतन शर्मा अनूप तिवाड़ी आदि मौजूद थे

भीलवाड़ा में कांग्रेस का भाजपा के खिलाफ हल्ला बोल : बोलें- सरकार अब भी नहीं संभली तो उग्र आंदोलन किया जाएगा ; विरोध प्रदर्शन के बाद दिया ज्ञापन

सुरज वर्मा

भीलवाड़ा में कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर जनविरोधी नीतियों का आरोप लगाते हुए हल्ला बोल प्रदर्शन किया। जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन के राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया।



बोलें- जनता की आवाज दबा रहे ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेसजनों ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह सरकार पूरी तरह जनविरोधी मानसिकता से ग्रस्त है। भाजपा का शसन जमीनी स्तर पर असफल हो चुका है, हर मोर्चे पर विफलता और प्रशासनिक अराजकता का माहौल बन गया है। सरकार सत्ता के मद में चूर होकर आमजन के साथ दोगला व्यवहार कर रही है, राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से काम कर रही है और जनता की आवाज को दबाने में जुटी हुई है। इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने आरोप लगाते हुए कहा भाजपा यह आक्रमणकारी सरकार है, जो विकास और जनसेवा छोड़कर केवल झूठ वादों, दिखावटी इवेंट्स और प्रकाश प्रसार में व्यस्त है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, किसान-मजदूरों की समस्याएं चरम पर हैं लेकिन भाजपा सरकार के मंत्री और नेता जनता के दुःख-दर्द से पूरी तरह बेपरवाह होकर सरकार मस्त, जनता त्रस्त की नीति पर चल रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता दुर्गेश पानेरी बताया कि भाजपा शासन में आम आदमी की आवाज दबाने का सुनियोजित षड्यंत्र चल रहा है। सत्ता के संरक्षण में अराजक तत्व खुलेआम गुंडागर्दी कर रहे हैं। महंगाई और बेरोजगारी पर सवाल उठाने वालों पर झूठे मुकदमे लादे जा रहे हैं। आज प्रदेश की जनता सरकार से जवाब मांग रही है और आने वाले समय में इस जनविरोधी सरकार को जनता माफ नहीं करेगी। इस दौरान महिला कांग्रेस, यूथ कांग्रेस, पार्षद, कांग्रेस पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

6 महीने के बाद शिशु की डाइट, बच्चे को कब तक कराएं ब्रेस्टफीडिंग, एक्सपर्ट से जानें



नरस मेहमान अपने सात दो सती शिशुओं के साथ ही जिम्मेदारी भी लाता है. जन्म से लेकर एक साल तक बच्चे के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण समय होता है. इस आर्टिकल में एक्सपर्ट से जानेंगे कि कब तक माओं को ब्रेस्टफीडिंग करानी चाहिए और 6 महीने के बाद शिशु को उड़र कैसी रखना सही रहता है.

जन्म के बाद शिशु की देखभाल एक बहुत ही जिम्मेदारी भरा काम होता है. खासतौर पर न्यू बॉर्न बेबी के हाइजीन को बनाए रखने के साथ ही सही पोषण पर ध्यान देने की जरूरत होती है, इसके लिए मां की डाइट सही रखना चाहिए, क्योंकि शुरुआती महीनों में मां का दूध बच्चे के लिए संपूर्ण आहार होता है और इसलिए ही मां के पहले दूध को अमृत भी कहा जाता है. इसी से शिशु को सारे न्यूट्रिएंट्स मिलते हैं. ब्रेस्टफीडिंग करवाना न सिर्फ बच्चे को हेल्दी और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है, बल्कि ये मां के लिए भी फायदेमंद रहता है. 1 अगस्त से लेकर 7 अगस्त तक ब्रेस्टफीडिंग वीक सेलिब्रेट किया जाता है, जिसका उद्देश्य नई माताओं को स्तनपान के लिए प्रोत्साहित करना और इसके फायदों को लेकर जागरूकता फैलाना है. इस आर्टिकल में हम जानेंगे कि बच्चे को जन्म के बाद कितनी उम्र तक ब्रेस्टफीडिंग करवानी चाहिए और 6 महीने के बाद डाइट कैसी रखनी चाहिए.जन्म के 6 महीने के फेज के बाद तक शिशु के विकास में कई बदलाव तेजी से देखने को मिलते हैं, जैसे बच्चा बैठना सीखने लगता है और हावभाव अपनी आवाज से प्रतिक्रिया देने लगता है साथ ही कुछ दिनों बाद दांत भी आने शुरू हो जाते हैं, इसलिए यही बहुत जरूरी है कि आप शिशु के खानपान की दैनिक जरूरतों को समझें. जान लेते हैं कि कैसे रखे 6 माह के बच्चे की डाइट और ब्रेस्टफीडिंग कब तक करवाना सही रहता है.

मां का दूध और विटामिन डी

गवर्मेन्ट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, ग्रेटर नोएडा के डायरेक्टर और पीडिया ट्रिक्स प्रोफेसर डॉ राकेश गुप्ता कहते हैं कि बच्चे के जन्म के के बाद शुरुआती 06 महीने तक केवल मां का दूध ही पिलाना चाहिए. इसके साथ ही आजकल 1द्वहड्डू-द्वद्वट्टु छ सहमश्र पैदा होने के साथ शुरु कर देना सही रहता है. इससे बच्चे के विकास में हेल्प मिलती है.

6 महीने के बच्चे की डाइट

डॉक्टर राकेश गुप्ता का कहना है कि 6 महीने मां का दूध पिलाने के बाद धीरे-धीरे बच्चे को खिलाना शुरू करना चाहिए. आहार में लिक्विड चीजों जैसे फ्रेश फलों का जूस शामिल करें. इसके अलावा सेमी लिक्विड डाइट जैसे सूजी की खीर, बिना मसाले वाली दाल का पानी, भाप में पकाए गए फल, सब्जियां मैश करके दे सकते हैं. ध्यान रखें कि सॉलिड चीजें बच्चे को खाने के लिए नहीं देनी हैं.

ये दो चीजें दें बेहद कम

एक्सपर्ट कहते हैं कि जब बच्चा लिक्विड खाने को सही से पचाने लगे तो इसके बाद सेमी सॉलिड डाइट की ओर बढ़ना चाहिए. बच्चे के जन्म के बाद से लेकर शुरुआती साल में नमक और शुगर बहुत कम देना चाहिए. दरअसल शिशु के अंग विकास के चरण में होते हैं और ये दोनों चीजें किडनी पर प्रेशर बढ़ा सकती हैं. इसके साथ ही मीठा ओवरवेट की वजह बन सकता है, साथ ही कैविटी की संभावना भी बढ़ जाती है.

मां का दूध है जरूरी

एक्सपर्ट के मुताबिक शुरुआती 06 महीने के बाद सेमी लिक्विड और सेमी सॉलिड डाइट के साथ ही बच्चे को कम से कम दो साल तक मां का दूध अवश्य पिलाना चाहिए. ये उसकी शारीरिक और मानसिक ग्रोथ के लिए बेहद जरूरी है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए इस देश

पर 11 साल तक निर्विवाद नेता के

रूप में शासन करने के बाद परीक्षा

की घड़ी आ गयी है

भारत पर उच्च टैरिफ का फैसला उनके और नरेंद्र मोदी के निजी अहंकार का नतीजा था। अमेरिकी राष्ट्रपति व्यापार वार्ता में पूर्ण समर्पण चाहते थे, लेकिन नरेंद्र मोदी कृषि उत्पाद क्षेत्र, खासकर दूध और डेयरी क्षेत्र में ऐसा नहीं कर सकते थे। यहां मोदी के राज्य हित सबसे ज़्यादा जुड़े हुए हैं। डेयरी और दूध उद्योग गुजरात के विकास की कुंजी है और लाखों किसान भाजपा के समर्थक हैं। भारतीय पारंपरिक कपड़े

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए इस देश पर 11 साल तक निर्विवाद नेता के रूप में शासन करने के बाद परीक्षा की घड़ी आ गयी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बुधवार को घोषित और शुक्रवार, 1 अगस्त से प्रभावी, भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत टैरिफ वृद्धि केवल एक व्यापारिक निर्णय नहीं है, बल्कि इसका संबंध इस विलक्षण राष्ट्रपति के अपने कभी अच्छे दोस्त रहे मोदी के प्रति नए दृष्टिकोण, उनके टैरिफ को भू-राजनीति के संचालक के रूप में इस्तेमाल किए जाने, और ट्रंप के इस सिद्धांत की स्थापना से है कि जो हमारे साथ नहीं हैं, वे हमारे खिलाफ हैं।नरेंद्र मोदी के लिए, 2014 से शुरू हुए उनके प्रधानमंत्रित्व काल में भारत-अमेरिका संबंधों की स्थिति इतनी निम्न स्तर पर कभी नहीं रही। ट्रंप ने भारत और अपने प्रिय मित्र नरेंद्र मोदी का सबसे ज़्यादा अपमान किया है, जिन्होंने अपने पहले कार्यकाल के दौरान और इस साल 20 जनवरी से शुरू हुए दूसरे कार्यकाल में भी ट्रंप को खुश करने के लिए हर संभव प्रयास किया।

ट्रंप मोदी का अपमान करने पर अड़े रहे, जब प्रधानमंत्री ने मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान लोकसभा में बिना नाम लिए ट्रंप की घोषणा के सन्दर्भ में कहा कि 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्धविरोध समझौते में किसी भी विदेशी नेता की कोई भूमिका नहीं थी। अगले दिन, ट्रंप ने फिर दोहराया कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविरोध कराने में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी। यह 30वीं बार था, जब उन्होंने यही बात दोहराई। भारतीय पारंपरिक कपड़ेभारत पर उच्च टैरिफ का फैसला उनके और नरेंद्र मोदी के निजी अहंकार का नतीजा था। अमेरिकी राष्ट्रपति व्यापार वार्ता में पूर्ण समर्पण चाहते थे, लेकिन नरेंद्र मोदी कृषि उत्पाद क्षेत्र, खासकर दूध और डेयरी क्षेत्र में ऐसा नहीं कर सकते थे। यहां मोदी के राज्य हित सबसे ज़्यादा जुड़े हुए हैं।

संपादकीय

स्वदेशी का संकल्प

ट्रंप की टैरिफ दादागिरी और तमाम देशों के आर्थिक संरक्षणवाद से भारत के लिए उभरी आर्थिक चुनौतियों के बीच स्वदेशी का मंत्र ही एक कारगर विकल्प सिद्ध हो सकता है। वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि संकल्प लें कि हम अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उल्लेखनीय है कि कोरोना संकट के दौरान जब वैश्विक आपूर्ति थूखला डगमगाई थी, तब भी प्रधानमंत्री ने देश में स्वदेशी आंदोलन का आह्वान किया था। निस्संदेह, इस दिशा में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन हकीकत है कि अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं हुए। आज के ऐसे दौर में जब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं घोर संरक्षणवाद का सहारा ले रही हैं, भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को स्वदेशी के संकल्प से ही संरक्षण देना होगा। ये कदम मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में अपरिहार्य हैं क्योंकि दुनिया के तमाम देश अपने-अपने आर्थिक हितों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों

पर अन्यायपूर्ण ढंग से लगाया गया 25 फीसदी का टैरिफ इस कड़ी का ही विस्तार है। ऐसे वक्त में जब भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तो हमें घरेलू अर्थव्यवस्था का स्वास्थ्य सुधारने को अपनी प्राथमिकता बनाना ही होगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है।इसमें दो राय नहीं कि स्वदेशी का संकल्प देश की वर्तमान जरूरत है, लेकिन देश के उद्यमियों को भी सुनिश्चित करना होगा कि स्वदेशी वस्तुओं का विकल्प गुणवत्तापूर्ण है। आज के उपभोक्तावादी युग में लोग गुणवत्ता से समझौता करने को तैयार नहीं होते। उद्यमियों को सोचना होगा कि कैसे चीन के उद्यमी कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उत्पाद



उपलब्ध करा रहे हैं। सरकार को भी उद्योग व व्यापार जगत पर नौकरशाही के शिकंजे को कम करना होगा। उत्पादन क्षेत्र को हमें उस स्तर तक ले जाने के लिये अनुकूल वातावरण तैयार करना होगा, जहां

गुणवत्तापूर्ण सस्ते उत्पाद तैयार किए जा सकें। जरूरत इस बात की भी है कि हम अपने विशाल असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में शामिल करने के लिये प्रयास करें। हम याद रखें कि चीन ने अपने देश में लघु उद्योगों को संगठित करके ही दुनिया में उत्पादन के क्षेत्र में बादशाहत हासिल की है। विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को अपनी युवा आबादी की क्षमता का उपयोग करने के लिये इस दिशा में बड़ी पहल करनी होगी।

हमारा शिक्षा का ढांचा इस तरह तैयार हो कि हम कौशल विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएं। जिससे हम कालांतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का उपयोग उत्पादन बढ़ाने के लिये कर सकें। तब स्वदेशी के संकल्प से भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि हम गुणवत्तापूर्ण निर्यात के जरिये अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को भी समृद्ध कर सकेंगे।

ट्रंप का व्यवहार प्रधानमंत्री के लिए एक भू-राजनीतिक चुनौती



डेयरी और दूध उद्योग गुजरात के विकास की कुंजी है और लाखों किसान भाजपा के समर्थक हैं। व्यापार वार्ता अभी भी धीमी चल रही है। अब भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत टैरिफ वृद्धि के बाद, अगर प्रधानमंत्री के कहने पर भारतीय अधिकारी अमेरिका के आदेश पर अपना रुख बदलते हैं, तो टैरिफ दर को 25 प्रतिशत से कम करने की प्रक्रिया आसान हो सकती है।भारत पर उच्च टैरिफ का फैसला उनके और नरेंद्र मोदी के निजी अहंकार का नतीजा था। अमेरिकी राष्ट्रपति व्यापार वार्ता में पूर्ण समर्पण चाहते थे, लेकिन नरेंद्र मोदी कृषि उत्पाद क्षेत्र, खासकर दूध और डेयरी क्षेत्र में ऐसा नहीं कर सकते थे। यहां मोदी के राज्य हित सबसे ज़्यादा जुड़े हुए हैं। डेयरी और दूध उद्योग गुजरात के विकास की कुंजी है और लाखों किसान भाजपा के समर्थक हैं। व्यापार वार्ता अभी भी धीमी चल रही है। अब भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत टैरिफ वृद्धि के बाद, अगर प्रधानमंत्री के कहने पर भारतीय अधिकारी अमेरिका के आदेश पर अपना रुख बदलते हैं, तो टैरिफ दर को 25 प्रतिशत से कम करने की प्रक्रिया आसान हो सकती है।इसके अलावा, रूस से आयात पर भारत पर 100 प्रतिशत तक का जुर्माना लगाने की ट्रंप की धमकी देश के भूगतान संतुलन के लिए एक वास्तविक खतरा बन गई है, क्योंकि पिछले दो वर्षों में रूस से सस्ते कच्चे तेल के आयात ने भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा बचाई है जिससे सरकार को मुद्रास्फीति पर नियंत्रण पाने में मदद मिली है। अब देखना यह है कि क्या प्रधानमंत्री रूस से सस्ते कच्चे तेल के आयात को जारी रखने का साहस जुटा पाते हैं या आयात में विविधता लाने की प्रक्रिया शुरू करते हैं, हालांकि कीमतें ऊंची होंगी और अधिक विदेशी मुद्रा की आवश्यकता होगी। रूसी तेल के इस संदर्भ में, ट्रंप ने यह कहकर अराजनयिक भाषा का प्रयोग किया है कि मृत रूसी और भारतीय, दोनों अर्थव्यवस्थाओं को डूबने दो। यह एक प्रकार के घृणा

सिंड्रोम से उपजा है क्योंकि यह असत्य है। भारत एक मृत अर्थव्यवस्था नहीं है। अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, लेकिन वितरणात्मक न्याय और बेरोजगारी की समस्याएं हैं। कुछ नीतियां त्रुटिपूर्ण हैं जिनमें सुधार की आवश्यकता है, लेकिन वैश्विक संदर्भ में, भारत अलग नज़र आता है।इस मृत अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर ट्रंप का समर्थन करके राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी की बदनामी ही की है। अर्थशास्त्र के जानकार किसी वरिष्ठ व्यक्ति को विपक्ष के नेता का उचित मार्गदर्शन करना चाहिए। नरेंद्र मोदी निश्चित रूप से बैकफुट पर हैं, लेकिन अगर परिस्थितियां उन्हें ट्रंप की अवज्ञा करने और उनसे लड़ने के लिए मजबूर करती हैं, तो विपक्ष को उनका समर्थन करना चाहिए। एक और महत्वपूर्ण बात ध्यान देने योग्य है। ट्रम्प ने भारत को नाराज़ करने के लिए पाकिस्तान के साथ तेल अन्वेषण पर जल्दबाज़ी में एक समझौते का वायदा किया। पाकिस्तानी मीडिया में इसका कोई संकेत नहीं था।किसी को नहीं पता कि इतने बड़े भंडार कहीं हैं और क्या वे वास्तव में अन्वेषण और विकास के लायक हैं। लेकिन ट्रंप ने यह कहकर मज़ाक उड़ाया कि शायद पाकिस्तान एक दिन भारत को तेल बेचेगा।सच कहूं तो, अमेरिका के साथ मौजूदा व्यापार वार्ता में भारत का ज़्यादा दबदबा नहीं है।

अमेरिका कृषि उत्पादों, खासकर डेयरी उत्पादों के मामले में भारतीय बाज़ार में अपनी पहुंच को लेकर बहुत अड़ा हुआ है। इसके ऐतिहासिक कारण हैं। अमेरिकी किसानों की कांग्रेस और व्हाइट हाउस में एक मजबूत लॉबी है। किसान संगठन के नेता सरकार का भाग्य तय करते हैं। यह लेखक दिसंबर 1999 में अमेरिका के सिएटल में विश्व व्यापार संगठन की मंत्रिस्तरीय बैठक में मौजूद था। उस समय अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन थे। बैठक बिना किसी घोषणा के ही रह गई क्योंकि अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच किसानों की सब्सिडी के मुद्दे पर बहस छिड़

राहुल वाकई आग से खेल रहे हैं: मगर उनके साथ अब देश खड़ा है!

टैरिफ 7 अगस्त से लागू होने वाला है। जनता को मतलब ही नहीं मालूम। अमेरिका जाने वाला गारमेट, दूसरी चीजें 25 प्रतिशत टैक्स देने के बाद वहां व्यापारी, उद्योगपति पहुंचा पाएगा? उसका कहना है कि वह दूसरे देशों से जो यही सामान कम कीमतों पर अमेरिका भेजेंगे वह कंपीट (मुकाबला) कर ही नहीं पाएगा। उत्पादन कम हो जाएगा। मजदूर, कर्मचारियों की छंटनी होगी।नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वाकई आग से खेल रहे हैं। उन्होंने जो अरुण जेटली की धमकी की बात कही है यह वही साल 2019 था जब राहुल, सोनिया गांधी, प्रियंका की एसपीजी सुरक्षा व्यवस्था वापस ली गई थी। प्रधानमंत्री मोदी के लिए राहुल सबसे बड़ी चुनौती हैं। ऐसे ही लाखोंकरोड़ रुपया उनकी छवि खराब करने के लिए खर्च नहीं किया गया। और अभी भी किया जा रहा है। लेकिन अब असर नहीं हो रहा। कारण? राहुल का निरंतर लड़ने रहना, जनता के सवाल उठाते रहना और आरोपों, मुकदमों से विचलित नहीं होना है और इसकी वजह जो राहुल बताते हैं सही है।परिवार ने यही सिखाया है। राहुल के शब्दों में बुजदिलों से नहीं डरना। यहां से आप समझ सकते हैं कि मोदी, भाजपा, गोदी मीडिया भक्त सब क्यों रात-दिन परिवार को कोसते रहते हैं। परिवार की बहादुरी की परंपराएं उन्हें सबसे ज्यादा प्रस्टेशन (कुंठा) देती हैं। इसका कोई इलाज नहीं है।प्रसिद्ध लेखक सरदार पूर्ण सिंह ने अपने बहुचर्चित निबंध सच्ची वीरता में लिखा है कि वीरता की कभी नकल नहीं हो सकती। वीरता को बनाने के कारखाने कायम नहीं हो सकते। वीरता तो अंदर की चीज है। यह वह असाधारण गुण है जो या तो होता है या नहीं होता। उन्होंने बहुत उदाहरण दिए हैं। इतिहास है। लंबा निबंध है। अगर देश में वीरता के गुण फिर से विकसित करना है तो

पढ़ना चाहिए। यह कैसे पीढ़ी दर पीढ़ी विकसित होता है और वीर नेतृत्व से जनता में प्रवाहित होता है।सरदार पूर्ण सिंह ने यह भी लिखा है कि %हर बार दिखले और नाम की खातिर छत्ती ठोककर आगे बढ़ना और फिर पीछे हटना पर पहले दजे की बुजदिली है।% राहुल की वीरता ही मोदी के लिए सबसे बड़ी परेशानी का सबब है। वे लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी को चैलेंज देकर कहते हैं कहां ट्रंप को झुटा। मोदी नहीं बोल पाते। वे जनरलाइज (सरलीकृत) कर के कहते हैं किसी ने सीज फायर नहीं किया। यह किसी क्या होता है? क्या नेपाल और श्रीलंका करवा रहे थे।%किसी% की तरह ही मोदी ने कहा था %कोई।% याद है ना। न कोई घुसा है न कोई है। राहुल ने उस समय भी प्रधानमंत्री से बहुत सवाल पूछे

थे। मगर जवाब किसी का नहीं मिला।

मोदी जी के भाषणों से जनता भ्रमित हो सकती है मगर राहुल नहीं। और राहुल क्या अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर भी कोई उनकी बातों पर विश्वास करने को तैयार नहीं है। दुनिया भर में डेलीगेशन पहुंचाए। वापस आने पर उन्हें डिनर पर बुलाया। खूब फोटो शूट हुए। खासतौर से कांग्रेस के बिना पार्टी से पूछे गए हुए नेताओं के साथ। उसी को विदेश नीति समझ लिया। जैसे केरल में अपने एक कार्यक्रम में शशि थरूर को देखकर कहा था कि अब कांग्रेस की रातों की नींद गायब हो जाएगी।

कांग्रेस की तो हुई नहीं। देश की जरूर हो गई। ट्रंप ने 25 प्रतिशत टैरिफ ठोक दिया। और फिर अपमानजनक तरीके से कहा कि पेनल्टी और लगाऊंगा। वह होता कौन है एक स्वतंत्र सार्वभौमिक देश पर जुर्माना लगाने वाला? मगरप्रधानमंत्री ने एक शब्द नहीं बोला। हम किस से क्या खरीदें क्या बेचें? इसका फैसला अब अमेरिका करेगा? क्या दिन ला दिए। और फिर इस अपमान से भी दिल नहीं भरा तो भारत की अर्थव्यवस्था को डेड (मृत) बता दिया। कहा दफन हो जाओ। इससे बड़ा अपमान और क्या होगा। मगर फिर भी मोदी नहीं बोले। भारतय व्यंजन

क्या इससे जनता को फर्क नहीं पड़ रहा? पड़ रहा है मगर स्तो। क्योंकि उसे पूरी बात बताई ही नहीं जा रही। मीडिया पूरा मोदी के प्रभाव में है।ऐसा नहीं है कि देश में कोई वैकल्पिक मीडिया नहीं है। मगर कांग्रेस भी उसी गोदी मीडिया की खुशामद करने में लगा रहता है जो रोज उसे गालियां देता है। वह कहते हैं ना गुलाम पहले उसे फिर उसे प्रेम हो जाता है मालिकों से न एक उससे जो उसे सबसे ज्यादा गालियां देता है। कांग्रेस के नेता गालियां भी सुनते हैं और मीडिया को खुश करने की कोशिशों में भी लगे रहते हैं।खैर तो जनता के पास केवल मोदी जी के भाषण पहुंचते हैं।पालात से दूँह लाऊंगा, गोली का जवाब गोले से दूंगा। यह कर दूंगा-वह कर दूंगा। मगर ट्रंप को जवाब नहीं दूंगा। चीन का नाम नहीं लूंगा।

टैरिफ 7 अगस्त से लागू होने वाला है। जनता को मतलब ही नहीं मालूम। अमेरिका जाने वाला गारमेट, दूसरी चीजें 25 प्रतिशत टैक्स देने



के बाद वहां व्यापारी, उद्योगपति पहुंचा पाएगा? उसका कहना है कि वह दूसरे देशों से जो यही सामान कम कीमतों पर अमेरिका भेजेंगे वह कंपीट (मुकाबला) कर ही नहीं पाएगा। उत्पादन कम हो जाएगा। मजदूर, कर्मचारियों की छंटनी होगी।वैसे ही बेरोजगारी का बुरा हाल है और बढ़ेगा। मगर इन सब पर सरकार का कोई ध्यान नहीं है। वह सिर्फ वोट की राजनीति पर ध्यान केन्द्रित किए हुए है।

एक देश ने पाकिस्तान की आलोचना नहीं की। लेकिन उन्हें जनता को भरमाना आता है। इसी दम पर की मीडिया उसी कहानी को आगे बढ़ाएगा। सरकार कहती है आतंकवाद की सबने की। अरे आतंकवाद की तो खुद पाकिस्तान भी करता है। मगर आतंकवाद फैला कौन रहा है यह एक देश कहने को तैयार नहीं है। विदेश नीति,आर्थिक नीति सब फेंक।

मगर भाषणों पर सरकार चल रही है।देश अंदर से खोखला होता चला जा रहा है। मालूम सबको है। बीजेपी आरएसएस के नेताओं को भी मगर बोल कोई नहीं पा रहा। केवल एक अकेला राहुल गांधी लगातार बोल रहा है। हिम्मत करके बोल रहा है। सड़क पर निकल कर बोल रहा है।

गोदी मीडिया से प्रचार करवाया जाता है कि सड़क पर क्यों नहीं आते। पिछले 11 साल में राहुल से ज्यादा कोई सड़क पर रहा है? दो बार पूरे देश की सड़कें नाप दीं। पहले दक्षिण से उत्तर और फिर पूर्व से पश्चिम। और इसके अलावा हाथरस से लेकर मणिपुर, लद्दाख, लखीमपुर हर जगह राहुल पहुंचे। मगर मीडिया दिखाता नहीं उल्टा यह सवाल और करता है कि सड़क पर क्यों नहीं आते?यह बिल्कुल ठीक वैसा ही जैसे अभी ट्रंप द्वारा इतना अपमान किए जाने के बाद भी विदेश यात्राओं में मोदी के दर्शन हो गए हम धन्य हो गए के वीडियो बनाए और चलाए जाते हैं। इसलिए इन सब तरफ दिखाई जा रही गुड़ी-गुड़ी परिस्थितियों में राहुल का सवाल उठाना उन्हें सबसे ज्यादा तकलीफ पहुंचाता है। हर कोशिश राहुल को घेरने की है। जो समस्याएं हैं उन्हें दूर करने की नहीं। राहुल को चुप कराने की हैं।अभी राहुल ने जेटली की कोशिश बताई। शायद कभी उन कांग्रेसी नेताओं की। बताएंगे जिन्होंने

उन्हें समझाने की कोशिश की।राहुल को बताना चाहिए। बताना सोनिया गांधी को भी चाहिए उन्हें डराने की कोशिश कौन-कौन कांग्रेसी नेता करते रहे हैं। यह बातें अब छुपेंगी नहीं। सामने आएंगी। बेहतर है राहुल खुद कांग्रेस के नेताओं के नाम बताएं कि कैसे उनसे कहा था कि यह समय मोदी के खिलाफ बोलनेका नहीं है। और ज्यादा विरोध करने से क्या क्या नुकसान हो सकते हैं।राहुल नहीं डरे। भाजपा के नेताओं से भी और कांग्रेस के नेताओं से भी। इसलिए अब थोड़ा परिवर्तन दिखाई देना शुरू हुआ है। देश में कई जगह साहस का संचार हो रहा है। अगर इस गति को बढ़ाना है तो थोड़ा कांग्रेस को भी कसना होगा। छीले घोड़े पर तेज सवारी नहीं की जा सकती।

पांच वर्षों में 7.08 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी पकड़ी गई : पंकज चौधरी

एजेंसी नई दिल्ली। केंद्रीय जीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2024-25 तक पिछले पांच वर्षों में लगभग 7.08 लाख करोड़ रुपये की कर चोरी का पता लगाया है, जिसमें लगभग 1.79 लाख करोड़ रुपये की इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की धोखाधड़ी भी शामिल है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में पढ़े गए एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। पंकज चौधरी की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार अकेले वित्त वर्ष 2024-25 में सीजीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों ने 2.23 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चोरी का पता लगाया है। वित्त राज्य मंत्री ने सदन को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में जीएसटी चोरी के 30,056 मामलों का पता चला। इनमें आधे से अधिक या 15,283 मामले आईटीसी धोखाधड़ी से संबंधित थे। इन मामलों में 58,772 करोड़ रुपये की कर चोरी की गई थी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में सीजीएसटी फ़ोल्ड अधिकारियों को इस से 2.30 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का पता लगाया गया। अप्रैल 36,374 करोड़ रुपये की आईटीसी धोखाधड़ी शामिल थी। चौधरी ने सदन को बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का पता चला, जिसमें 24,140 करोड़ रुपये के फर्जी आईटीसी दावे शामिल थे।

भारत पर तेल आयात को लेकर अमेरिका और यूरोपीय संघ के आरोप गलत - विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली । भारत ने अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा रूस से तेल आयात को लेकर की जा रही आलोचना का कड़ा जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा कि भारत ने यूक्रेन संकट शुरू होने के बाद रूस से तेल आयात शुरू किया, क्योंकि उस समय पारंपरिक तेल आपूर्ति यूरोप की ओर मोड़ दी गई थी। जायसवाल ने बताया कि यह फैसला वैश्विक ऊर्जा बाजार की स्थितियों के कारण लिया गया ताकि भारतीय उपभोक्ताओं को सस्ती और स्थिर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। प्रवक्ता ने बताया कि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पारंपरिक आपूर्तियां यूरोप की ओर मोड़ दी गईं, जिससे भारत को रूस से आयात बढ़ाना पड़ा। यहीं नहीं, उस समय अमेरिका ने खुद भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया था ताकि वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनी रहे। बयान में कहा गया कि भारत के लिए यह कदम राष्ट्रीय जरूरत था, लेकिन जो देश आज भारत की आलोचना कर रहे हैं, वे स्वयं रूस के साथ व्यापार कर रहे हैं और वह भी बिना किसी मजबूरी के। विदेश मंत्रालय ने आंकड़े देते हुए बताया कि 2024 में यूरोपीय संघ और रूस के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 67.5 अरब यूरो था।

केंद्र ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण के नकारात्मक प्रभाव की खबरों का किया खंडन

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया है, जिनमें पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण (ई20) के संधावित नकारात्मक प्रभाव, खासकर पुराने वाहनों और ग्राहक अनुभव के बारे में चिंता जताई गई थी। पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हालांकि, ये चिंताएं काफी हद तक निराधार हैं और इसे लेकर वैज्ञानिक प्रमाण या विशेषज्ञ विश्लेषण का भी अभाव है। उन्होंने आगे कहा कि पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण से वाहनों को नुकसान पहुंचने या उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी होने की बात वास्तविक तथ्यों पर आधारित नहीं है और इसमें तकनीकी आधार का भी अभाव है। कार्बयुरेटर और पम्पूल-इंजेक्टेड व्हीलर के पहले 1,00,000 किलोमीटर के दौरान हर 10,000 किलोमीटर पर टेस्टिंग के माध्यम से वाहनों के मैकेनिकल, एनर्जी और पर्यावरणीय प्रदर्शन पर इथेनॉल-पेट्रोल मिश्रण के उपयोग के प्रभाव पर इंटरनेशनल स्टडी से सांख्यिकीय रूप से पावर और टॉर्क जनरेटर तथा ईंधन की खपत में कोई अंतर नहीं दिखा।

इंडिगो ने लॉजिस्टिक्स सेवाओं के लिए एसीएल एयरशॉप से किया करार

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने यूनिट लोड डिवाइस (यूएलडी) प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स सेवाओं के लिए अमेरिकी कंपनी एसीएल एयरशॉप के साथ करार किया है। एयरलाइंस ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह करार कागों और यात्री दोनों तरह के परिचालनों के लिए किया गया है। भारतीय उपमहाद्वीप में एसीएल एयरशॉप का यह करार है। यूएलडी प्रबंधन में कागों और यात्रियों के बैगज का हैंडलिंग शामिल है। इंडिगो के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी (कागों) मार्क सच ने कहा कि यूएलडी की हमारी जरूरत बज्ज के महेनजर एसीएल एयरशॉप के साथ साझेदारी कर हमें खुशी है। उन्होंने एयरलाइंस की जरूरत को ध्यान में रखते हुये सिर्फ दो महीने में पूरी तरह परिचालन शुरू कर दिया। एसीएल एयरशॉप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बर्नार्ड किडलवैचर ने इंडिगो के साथ रणनीतिक साझेदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि यह वैश्विक यूएलडी प्रबंधन सेवा में अगुवा के रूप में कंपनी की स्थिति को और मजबूत करता है।

सर्पाफा बाजार में चमका सोना, चांदी में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी नई दिल्ली। घरेलू सर्पाफा बाजार में आज सोने की कीमत में जबदस्त तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,510 रुपये से 1,650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा होकर एक बार फिर एक लाख रुपये के स्तर को पार कर गया है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में उछल के कारण आज देश के ज्यादातर सर्पाफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,01,410 रुपये से लेकर 1,01,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 92,960 रुपये से लेकर 93,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्पाफा

बाजार में आज भी 1,12,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट

सोना आज 1,01,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 93,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,01,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह

केंद्र ने बंगाल के विकास के लिए दिए 1.10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा: शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल के विकास, गांव-गरीब और मजदूरों के कल्याण तथा उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014-15 से अब तक अकेले ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ही पश्चिम बंगाल को 1.10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि विभिन्न योजनाओं के जरिए दी गई है।केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 16,505 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत 25,798 करोड़ रुपये, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य

योजना और आरएसईटीआई के तहत 274 करोड़ रुपये, मनरेगा (2014-15 से 2022 तक) 54,465 करोड़



रुपये, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में 3,881 करोड़ रुपये तथा राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत 8,389 करोड़ रुपये सीधे पश्चिम बंगाल के गरीबों और जरूरतमंदों तक पहुंचाए गए हैं। शिवराज सिंह चौहान एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इन आंकड़ों से यह स्पष्ट

हो जाता है कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल के गांव, गरीब और मजदूरों के जीवन में परिवर्तन के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है, चाहे वह पक्का घर हो, सड़क हो, आजीविका या रोजगार हो। केंद्रीय मंत्री शिवराज ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के प्रभावी क्रियान्वयन में बुरी तरह विफल रही है। 2019 से 2022 के बीच केंद्र की टीमों ने पश्चिम बंगाल के 19 जिलों में जांच की, जिसमें मनरेगा के कार्यों में भारी अनियमितताएं पाई गईं। इनमें कार्यस्थल पर वास्तविक कार्य न होना, नियम विरुद्ध कामों को हिस्सों में तोड़ना, धन की हेफेरींग जैसी गंभीर बातें उजागर हुईं। इसी के चलते ग्रामीण विकास मंत्रालय को मनरेगा अधिनियम की धारा 27 के तहत पश्चिम बंगाल

रेको बैंक ने अमित शाह को 22.90 करोड़ रुपये का लाभांश चेक सौंपा

एजेंसी नई दिल्ली। रेको बैंक ने नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 22.90 करोड़ रुपये का लाभांश चेक सौंपा। इस अवसर पर शाह ने बैंक की सराहना करते हुए कहा कि गृह मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाले इस बैंक ने दक्षता, समर्पण और व्यावसायिकता का एक ऐसा उदाहरण स्थापित किया है जो सहकारी क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।रेको बैंक ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 140 करोड़ रुपये का रिफाई शुद्ध लाभ अर्जित किया है और 30 प्रतिशत का लाभांश दिया, जो सहकारी समिति के इतिहास में सर्वाधिक है। गृह मंत्री ने बैंक की टीम को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर रेको बैंक के

अध्यक्ष ई. संधानम, निदेशक एवं रेको होम फाइनेंस लिमिटेड के अध्यक्ष सी. धोंगराजू और प्रबंध

थेरेफो बैंक, भारत सरकार का एक उद्यम है, जिसमें भारत सरकार की 50.08 प्रतिशत हिस्सेदारी है और



निदेशक ओ.एम. गोकुल ने केन्द्रीय मंत्री को लाभांश चेक सौंपा। कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और सचिव, सीमा प्रबंधन डॉ. राजेंद्र कुमार भी उपस्थित

थेरेफो बैंक, भारत सरकार का एक उद्यम है, जिसमें भारत सरकार की 50.08 प्रतिशत हिस्सेदारी है और

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इलेक्ट्रिक कार निर्माण इकाई का किया उद्घाटन

एजेंसी थूथुकुडी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने थूथुकुडी में स्थापित वियतनामी कंपनी विनफास्ट के एक इलेक्ट्रिक कार निर्माण इकाई का उद्घाटन किया और पहली कार की बिक्री की शुरुआत भी की। मुख्यमंत्री ने यहां राष्ट्रीय निवेशक सम्मेलन में भी भाग लिया। इस सम्मेलन में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में औद्योगिक निवेश से संबंधित 32,000 करोड़ रुपये के 41 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

इस मौके पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण में भारत की राजधानी है। देश के कुल इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादन का 40 प्रतिशत तमिलनाडु में उत्पादित होता है। उन्होंने कहा कि विरुधुन्गर जिले में

1,052 एकड़ में एक टेक्सटाइल पार्क स्थापित किया जा रहा है। हम अविकसित जिलों में बड़ी संख्या में



रोजगार के अवसर पैदा करने वाले कारखाने स्थापित कर रहे हैं। राज्य में लगभग 32,554 करोड़ रुपये के

औद्योगिक निवेश से यहां के 50 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। द्विदि मोडल सरकार ने तमिलनाडु में

का फंड रिलीज करना रोकना पड़ा है। शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के मामले में भी शिकायतें मिलीं कि राज्य सरकार ने अपात्र परिवारों का चयन किया, पात्रों को हटाया और योजना का नाम बदलकर नियमों की अनदेखी की। ये सारी शिकायतें राष्ट्रीय और केंद्रीय मॉनिटरिंग टीमों द्वारा सही पाई गईं। केंद्रीय मंत्री चौहान ने बताया कि बार-बार अनुरोध के बावजूद पश्चिम बंगाल राज्य सरकार ने सुधार या पारदर्शिता के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। दुर्भाग्यवश, पश्चिम बंगाल सरकार विश्वास, जिम्मेदारी और पारदर्शिता पर पूरी तरह विफल साबित हुई है। केंद्र सरकार बंगाल के लोगों के विकास, कल्याण और अधिकारों के लिए पहले भी प्रतिबद्ध थी और आगे भी रहेगी।

कैट से जुड़े व्यापारियों ने किया संसद भवन का दौरा, ओम बिड़ला ने किया संबोधित

एजेंसी नई दिल्ली। चांदनी चौक के सांसद एवं कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (केट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल के नेतृत्व में संगठन से जुड़े व्यापारियों को संसद भवन का दौरा किया। देशभर से आए करीब 150 प्रमुख व्यापारी नेताओं को नए और पुराने संसद भवन का भ्रमण कराया गया। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि इस दौरे का मुख्य आकर्षण तब बना जब कैट व्यापारियों को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने संसद परिसर स्थित अपने मीटिंग कक्ष में संबोधित किया। उन्होंने संबोधन में बिड़ला ने कहा कि कैट व्यापारियों का देशव्यापी संगठन है, जो पूरे देश में व्यापारियों के लिए कार्य कर रहा है। व्यापारी और व्यापार देश की रीढ़ की हड्डी है। व्यापारी न केवल रोजगार सृजित करता है,

बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने अपने संबोधन में



कहा कि बदलते हुए आर्थिक वातावरण को ध्यान में रखते हुए व्यापारियों को अपने स्तर को ऊंचा उठाना होगा। हम सभी को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रयासत रहना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश को दोहराते हुए कहा कि व्यापारियों को देश और अपने हित में अब स्वदेशी सामान बेचना और खरीदना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि व्यापार और व्यापारियों से जुड़े मुद्दों को उनके संज्ञान

में लाया जाए, तो वे अधिक से अधिक व्यापार से जुड़े विषयों को संसद में चर्चा के लिए लाने का प्रयास करेंगे।

सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा कि देश के व्यापारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारतीय सामान खरीदो और बेचो के आह्वान का पूर्ण समर्थन करते हैं। इसके लिए 10 अगस्त से पूरे देश में स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया जाएगा। यह अभियान भारत के आर्थिक स्वामिमान को मजबूत करेगा और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

मजबूत ग्लोबल संकेतों की मदद से मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, संसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों की ओर से लगातार की जा रही पूंजी की निकासी और अमेरिका के साथ टैरिफ को लेकर बनी अनिश्चितताओं का असर एक बार फिर भारतीय मुद्रा बाजार में साफ नजर आया। नकारात्मक माहौल और घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण रुपया आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही डॉलर की तुलना में गिरावट का शिकार हो गया। आज डॉलर की तुलना में भारतीय मुद्रा 11 पैसे फिसल कर 87.66 (अंर्नतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय मुद्रा 87.55 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत जोरदार मजबूती के साथ ही की। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा रुपये ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 34 पैसे की तेजी के साथ 87.21 के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के कुछ देर बाद भारत की मुद्रा और मजबूत होकर 87.19 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक पहुंची। इसके बाद विदेशी निवेशकों की स्टॉक मार्केट से अपनी पूंजी की निकासी शुरू करने से रुपया ऊपरी स्तर से 51 पैसे की गिरावट के साथ 87.70 के स्तर तक पहुंच गया। अंत में डॉलर की आवक में थोड़ी तेजी आई, जिसके कारण रुपये की स्थिति में थोड़ा सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 11 पैसे की कमजोरी के साथ 87.66 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। फोरेक्स मार्केट के एक्सपर्ट्स का मानना है कि भारत-अमेरिका के बीच होने वाले प्रस्तावित ट्रेड डील को लेकर बनी अनिश्चितता और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी निकासी के कारण बाजार में लगातार नकारात्मक माहौल बना हुआ है।

जीएसटी अधिकारियों ने लोहा-इस्पात क्षेत्र में फर्जी आईटीसी गिरोह का भंडाफोड़ किया

एजेंसी नई दिल्ली। केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) के दिल्ली दक्षिण आयुक्त कार्यालय ने लोहा एवं इस्पात कारोबार में 47.12 करोड़ रुपये मूल्य के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की कथित धोखाधड़ी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि जीएसटी अधिकारियों ने लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में 47.12 करोड़ रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का धोखाधड़ी से लाभ उठाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। ये मामला लगभग 261 करोड़ रुपये के कर योग्य मूल्य के फर्जी चालानों के आधार पर कुल 47.12 करोड़ रुपये

के आईटीसी का लाभ उठाने और उसे आगे बढ़ाने से जुड़ा है, जबकि



वास्तव में माल की आपूर्ति की ही नहीं गई। मंत्रालय ने बताया कि यह मामला सीजीएसटी दिल्ली दक्षिण आयोग द्वारा किए गए व्यापक पकड़ का हिस्सा है, जो नकली आईटीसी नेटवर्क को नष्ट करने के लिए

महत्वपूर्ण राजस्व नुकसान को कम करने के लिए प्रेरित करता है। विभागा

इस तरह की धोखाधड़ी गतिविधियों को पहचानने और बाधित करने के लिए डेटा एनालिटिक्स और स्पनाई चैन मैपिंग टूल का लाभ उठा रहा है। इस सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया गया है।

मजबूत ग्लोबल संकेतों की मदद से मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, संसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट के मजबूत संकेत, क़ूड ऑयल में आई कमजोरी और मेडरत वॉल ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में आज जोरदार तेजी ने आज घरेलू शेयर बाजार के कारोबार में भी तेजी ला दी। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद पहले घंटे के कारोबार में लिवालों और बिकवालों की खींचतान के कारण संसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। हालांकि सुबह 11 बजे के थोड़ी देर पहले लिवालों ने

अपना जोर बना दिया, जिसकी वजह से बाजार लगातार ऊपर चढ़ता चला गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद संसेक्स 0.52 प्रतिशत और निफ्टी 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान रियल्टी, मेडल, डिफेंस और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरबल, हेल्थ केयर, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी

सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉड मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडिकैप इंडेक्स 1.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.76 प्रतिशत उछल कर आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 4 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के

बाद बढ़ कर 448.82 लाख करोड़ रुपये (अर्नतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 444.52 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.30 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,286 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,286 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,847 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 153 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए।

एनएसई में आज 2,716 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,637 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,079 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह संसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 25 शेयर बढ़त के साथ और 5 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 43 शेयर हरे निशान में और 7 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का संसेक्स आज 165.92 अंक की मजबूती के साथ 80,765.83 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलने के आधा घंटा बाद

बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 99.40 अंक की कमजोरी के साथ 80,500.51 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर संसेक्स को कुछ देर में ही हरे निशान में वापस पहुंचा दिया। दोपहर 11 बजे के बाद पहले घंटे के कारोबार में उतार चढ़ाव होता रहा, जिसकी वजह से आज का कारोबार खल होने का थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 493.28 अंक उछल कर 81,093.19 अंक तक पहुंच गया। हालांकि आंशिक वक्त में हुई मुनाफा वसूली की वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 75 अंक फिसल कर

418.81 अंक की तेजी के साथ 81,018.72 अंक के स्तर पर बंद हुआ। संसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 30.70 अंक उछल कर 24,596.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद पहले घंटे के कारोबार में उतार चढ़ाव होता रहा, जिसकी वजह से ये सूचकांक 11.35 अंक की कमजोरी के साथ 24,554 अंक तक गिर गया। इसके बाद बाजार में खरीदारों ने दायर निशान का जोर बना दिया, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई।

आपूर्ति की है, जो इस उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात पोट की संरचनात्मक मजबूती और स्टीत्य क्षमताओं के लिए महत्वपूर्ण है। आईएनएस 'अजय' गार्डन रीच लिपिबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने पिछले महीने जुलाई के दौरान लांच किया, जबकि आईएनएस निस्तार को पिछले महीने जुलाई के दौरान ही हिंदुस्तान लिपयाई लिमिटेड (एचएसएल) द्वारा कमीशन किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक आईएनएस 'अजय' के लिए सेल ने जरूरत की पूरी डीएमआर ग्रेड स्टील प्लेट्स की आपूर्ति की है, जो इस उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात पोट की संरचनात्मक मजबूती और स्टीत्य क्षमताओं के लिए महत्वपूर्ण है। आईएनएस 'अजय' गार्डन रीच लिपिबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) द्वारा निर्मित आठवां और अंतिम स्वदेशी एटी-सबमरीन वाफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट (एसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) है। इसी तरह से सेल ने हाल ही में कमीशन किए गए आइएनएस निस्तार के लिए विशेष ग्रेड प्लेट्स की जरूरत की पूरी मात्रा की सप्लाई की है।

प्रादेशिक

मुख्यमंत्री ने तिमारपुर में ‘दिल्ली को कूड़े से आजादी’ अभियान को दी मजबूती

एजेंसी नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तिमारपुर की संजय बस्ती में स्वच्छता अभियान चलाकर ‘दिल्ली को कूड़े से आजादी’ अभियान को और मजबूती दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक सूर्य प्रकाश खत्री, महापौर राजा इकबाल सिंह और बड़ी संख्या में स्थानीय साधियों की सक्रिय भागीदारी ने इसे और भी व्यापक बना दिया। उन्होंने कहा कि पूरी दिल्ली इस मिशन में जुटी हुई है। देखकर गर्व होता है कि दिल्लीवासी खुद आगे आ रहे हैं। कोई बस स्टैंड की सफाई कर रहा है, तो कोई अपने घर, गली, कोलनी और बाजार से शुरुआत कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा सरकार के तमाम विभाग सक्रिय हैं। हमारे जनप्रतिनिधि स्वयं मैदान में हैं। यह दिल्ली को स्वच्छ और गरिमामय बनाने की दिशा में एक सामूहिक संकल्प है। उन्होंने एक बार फिर सभी दिल्लीवासियों से मिलकर दिल्ली को कूड़े से आजादी दिलाने की अपील की। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में एक से 31 अगस्त तक ‘दिल्ली को कूड़े से आजादी’ स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट से एल्विश यादव को राहत, सांप के जहर से जुड़े मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक

नई दिल्ली। यूट्यूब और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एल्विश यादव को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने सांप के जहर से जुड़े विवादित मामले में उनके खिलाफ चल रही ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। एल्विश यादव ने अपनी याचिका में आरोप पत्र और आपराधिक कार्यवाही को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका पर यूपी सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया। बता दें कि इससे पहले, एल्विश यादव को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका लगा था। हाईकोर्ट ने रेव पार्टी में सांपों का प्रदर्शन करने और इसके वीडियो बनाने को लेकर दर्ज एफआईआर की चार्जशीट को चुनौती देने वाली उनकी याचिका को खारिज कर दिया था। इसके बाद, गाजियाबाद की सीजेएम कोर्ट ने एल्विश यादव के खिलाफ समन जारी किया था। गौरतलब है कि एल्विश यादव के खिलाफ गौतमबुद्ध नगर, नोएडा के थाना सेक्टर-49 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम और अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज है। आरोप है कि उन्होंने रेव पार्टी में सांपों का प्रदर्शन किया और इसके माध्यम से वीडियो बनाने के लिए सांपों और सांप के जहर का दुरुपयोग किया। आरोपपत्र में यह भी कहा गया है कि उन्होंने विदेशी नागरिकों को रेव पार्टियों में बुलाया और उन्हें सांप के जहर और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन कराया। गाजियाबाद की अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम) ने इस मामले में चार्जशीट का संज्ञान लेते हुए समन जारी किया था, जिसके खिलाफ एल्विश यादव ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली।

दिल्ली में कांग्रेस सांसद की चेन स्नैचिंग का मामला सुलझा,अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस सांसद आर. सुधा की सोने की चेन स्नैचिंग के सनसनीखेज मामले को 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। दक्षिणी दिल्ली और नई दिल्ली जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने छीनी गई सोने की चेन, अपराध में इस्तेमाल स्कूटी और आरोपी के कपड़े बरामद कर लिए हैं। आरोपी का नाम सोहन रावत उर्फ सोनू उर्फ बुगु (24 वर्ष) है, जो ओखला के हरकेश नगर का रहने वाला है। वह एक कुख्यात अपराधी है, जिसके खिलाफ दिल्ली के विभिन्न थानों में चोरी, लूट और आर्मस एक्ट के तहत 26 मामले दर्ज हैं। वह हाल ही में 27 जून को जेल से रिहा हुआ था। घटना नई दिल्ली के एक पॉश इलाके में हुई थी। पुलिस ने सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज की जांच की और आरोपी के पूरे रास्ते को ट्रैक किया। स्थानीय खुफिया जानकारी और तकनीकी निगरानी की मदद से दक्षिणी जिला पुलिस को एंटी ऑटो थेफ्ट स्कॉर्ड (एएटीएस) ने आरोपी को धर दबोचा। इस्पेक्टर उमेश यादव के नेतृत्व में टीम ने त्वरित कार्रवाई की, जिसमें सब-इंस्पेक्टर नवदीप, हेड कॉन्स्टेबल कमल प्रकाश, वृजेश, अरविंद, कृष्ण कुमार और कांस्टेबल काना राम, देवेंद्र व अरविंद शामिल थे।

राज्यसभा ने दी सत्यपाल मलिक को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। राज्यसभा में पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को श्रद्धांजलि दी गई। सत्यपाल मलिक दो बार राज्य सभा के सदस्य रह चुके हैं। बुधवार को उप सभापति हरिवंश नारायण ने राज्य सभा में दिवंगत के प्रति श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वह उत्तर प्रदेश से 2 बार संसद के उच्च सदन के सदस्य बने। पहली बार वे 1982 में सदन के सदस्य बनें। इसके बाद वे वर्ष में 1989 सदन के सदस्य रहे। 24 नोएडा 1946 को जन्मे सत्यपाल मलिक ने अपने चुनौती जीवन की शुरुआत उत्तर प्रदेश विधानसभा से की थी। वह 1974 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य बने थे। वह अलीगढ़ से नैनीवी लोक सभा के लिए सांसद भी चुने गए थे। राज्यसभा में जानकारी देते हुए उप सभापति ने कहा कि सत्यपाल मलिक विभिन्न राज्यों के राज्यपाल भी रह चुके हैं। वह बिहार, गोवा, मेघालय व जम्मू कश्मीर राज्यपाल रह चुके थे। उन्होंने बतौर राज्यपाल उड़ीसा का अतिथिक कार्यभार भी संभाला था। उनका राजनीतिक व सामाजिक जीवन कई दशक लंबा रहा। रजसभा में सत्यपाल मलिक को उद्बोधजलि देते हुए कहा कि वे हैं एक योग्य सांसद रहे हो। सभापति ने कहा इस सत्यपाल मलिक के निधन से देश ने एक महत्पूर्ण प्रशासक व योग्य राजनेता को खो दिया है।

एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन की सूचना पर देह व्यापार में धकेली गई बच्ची को कराया मुक्त

एजेंसी नई दिल्ली। झारका जिले के मोहन गार्डन थाना पुलिस ने एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन की सूचना पर जबरन देह व्यापार के दलदल में धकेली गई 16 साल की एक नाबालिग बच्ची को मुक्त कराया है। पूछताछ में बच्ची ने बताया कि उसे तकरीबन साल भर पहले इस धंधे में धकेल दिया गया। पीड़ित बच्ची ने बताया कि रोजाना 8 से 10 लोग उसका शोषण करते थे । पुलिस ने मामला दर्ज कर एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। फिलहाल पुलिस इस गिरोह में शामिल अन्य सदिंधों के बारे में तहकीकात कर रही है।

एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन (एवीए) के निदेशक मनीष शर्मा ने बताया, ‘हमारी टीम खुद को ग्राहक की तरह पेश करते हुए गिरोह तक पहुंची थी। हमें उनका भरोसा जीतने में एक करीब महीना लगा। काफी सौख्वाजी के बाद हमने आरोपित को ऑनलाइन पेंपेट किया लेकिन इसके बाद उसने तुरंत अपना ठिकाना बदल लिया। आखिर में उसने हमें झारका बुलाया।



आरोपित ने आखिरी वक्त पर फिर अपना ठिकाना बदल लिया और उन्हें झारका के पास मोहन गार्डन के एक फ्लैट में बुलाया। डीसीपी ने मोहन गार्डन थाने की पुलिस से बात कर यह सुनिश्चित किया कि छापे में कोई अड़चन नहीं आए। चार अगस्त को मौके पर पहुंचने पर हमारी टीम को वहां से शराब की खाली बोतलें, दर्द निवारक दवाइयां, कुछ एंटी बायोटिक और यौन संक्रमण के इलाज में काम आने वाली कुछ दवाइयां मिलीं।

दिल्ली विधानसभा में फांसी घर का शिलापट्ट लगाकर उसका उद्घाटन करना गंभीर मुद्दा : विजेन्द्र गुप्ता

एजेंसी नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने सदन में कहा कि दिल्ली विधानसभा में फांसी घर और सुरुंग को लेकर वर्षों तक झूठ चलता रहा है, लेकिन यह पूर्णता असत्य है। उन्होंने कहा कि जिस स्थान को आज फांसी घर कहकर प्रचारित किया गया, वह कोई साधारण विषय नहीं है, वह इस पूरे परिसर की गरिमा से जुड़ा हुआ मामला है। इस स्थान पर एक शिलापट्ट लगाकर उसका उद्घाटन किया गया, तो यह विषय और भी गंभीर हो जाता है। इसपर विपक्ष अपनी स्थिति स्पष्ट करे।

विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि जहां डिलिब्रेशन होता है, वहां पार्लियामेंट होती है, जहां असेंबली होती है- उसी प्रांगण में फांसीघर कैसे हो सकता है? यह सवाल स्वाभाविक है। दूसरी बात

कही गई कि इस परिसर में कोई सुरुंग जाती है। हमने इस पर इतिहासकारों से बात की, तो उन्होंने बताया कि यह



कोई सुरुंग नहीं है। असल में यह डकैटिंग है- वेंटिलेशन के लिए बनाई गई जगह। उस समय सीमित संसाधन थे और जब इस तरह के भवन जमीन के नीचे बनाए जाते थे तो वेंटिलेशन

के लिए डकैटिंग छोड़ी जाती थी। यह सिर्फ यहां नहीं भारत की संसद में भी इसी तरह के स्थान बनाए गए हैं।



अब बात उस स्थान की जिसे फांसीघर कहा गया- हमने देखा कि बाकायदा एक शिलापट्ट लगाया गया, जिसमें 9 अगस्त 1942 का उल्लेख है और 9 अगस्त इसका उद्घाटन

खड़गे ने लगाया पुलिस और मिलिट्री बुलाकर हाउस चलाने का आरोप, नड्डा ने किया खारिज

एजेंसी नई दिल्ली। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व उपसभापति के बीच तीखी नोकझोंक दिखी। नेता प्रतिपक्ष ने उपसभापति से पूछा कि यह सदन आप चला रहे हैं या गृहमंत्री अमित शाह चला रहे हैं। खड़गे ने आरोप लगाया कि सदन के वेल में सीआईएसएफ के जवानों को तैनात किया गया। उन्होंने कहा कि सदन के वेल में सीआईएसएफ सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी से विपक्ष को कड़ी आपत्ति है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी सांसदों को संसद में जनहित के मुद्दे उठाने से रोका जा रहा है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आप सीआईएसएफ को अंदर लाते हैं। हमारे संसद के स्ट्राफ यहां सक्षम हैं, लेकिन आप पुलिस और मिलिट्री को लाकर यहां हाउस चलाना चाहते हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इन आरोपों का खंडन किया। विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए किरेन रिजिजू कहा, नेता



सदन में आए थे।+ उन्होंने उप सभापति पूछा कि ऐसे झूठे तथ्यों को दिए जाने पर नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ क्या कार्रवाई की जानी चाहिए? वहीं नेता सदन व केंद्रीय मिनिट्री को लाकर यहां हाउस चलाना चाहते हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इन आरोपों का खंडन किया। विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए किरेन रिजिजू कहा, नेता

हैं और यहां मार्शल ही हैं। नड्डा का कहना था कि विपक्ष में बैठे सांसदों को अपना विरोध जताना भी नहीं आता। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग इस तरह से किया जाना चाहिए जिससे कि किसी दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का हनन न हो।

दरअसल इस पूरे विषय पर नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उपसभापति हरिवंश के एक पत्र लिखा था। अपने इस पत्र में उन्होंने लिखा, ‘हम इस बात से हैरान और स्तब्ध हैं कि किस तरह सीआईएसएफ कर्मियों को सदन के वेल में दौड़ने के लिए मजबूर किया जाता है, और वह भी तब जब विपक्ष के सांसद अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग कर रहे होते हैं।+ विपक्ष ने आरोप लगाया कि राज्यसभा के सभापति के अचानक और अभूतपूर्व इस्तीफे के बाद राज्यसभा के कक्ष पर सीआईएसएफ के जवान तैनात कर दिए गए हैं।

दिल्ली स्कूल शिक्षा विधेयक फीस निर्धारण की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाएगा : आशीष सूद

एजेंसी नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र में दिल्ली स्कूल शिक्षा (फीस निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) विधेयक, 2025 पर चर्चा हुई। शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य निजी अनुसंधारहित स्कूलों में फीस ढांचे को पारदर्शी, पूर्वानुमेय और जवाबदेह बनाना है। यह विधेयक एक तीन-स्तरीय प्रणाली के माध्यम से स्कूलों में फीस निर्धारण की प्रक्रिया को पारदर्शी और भागीदारीपूर्ण बनाएगा। स्कूल स्तर पर समिति, जिला स्तरीय अपीलीय समिति और राज्य स्तरीय पुनरीक्षण समिति इन समितियों में अभिभावक, शिक्षक और स्कूल प्रबंधन की सहभागिता सुनिश्चित की

जाएगी। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि छात्रों पर फीस न देने पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जा



सकेगी। अगर कोई स्कूल ऐसा करता है तो उस पर प्रति छात्र 50,000 रुपये का जुर्माना होगा, जो 20 दिन बाद दोबारा और फिर अगले 20 दिन में तीन गुना हो सकता है। यदि स्कूल फीस नियमों का लगातार उल्लंघन करता है तो 10 लाख

रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। गंभीर मामलों में शिक्षा निदेशक स्कूल की मान्यता निलंबित कर सकते हैं या

की मुख्य बातें : (तीन-स्तरीय समिति प्रणाली) स्कूल स्तर समिति = हर साल बनेगी और स्कूल की फीस प्रस्ताव का मूल्यांकन करेगी। जिला अपीलीय समिति : स्कूल समिति के निर्णयों पर अपील की सुनवाई। राज्य पुनरीक्षण समिति : इसका निर्णय अगले तीन शैक्षणिक वर्षों तक बाध्यकारी होगा।

स्कूल स्तर समिति में होंगे : स्कूल प्रबंधन का एक प्रतिनिधि (अध्यक्ष), प्रिंसिपल (सचिव), तीन शिक्षक, पांच अभिभावक (लॉटरि से चयन) जिनमें कम से कम (एक एससी/एसटी/पिछड़ा वर्ग से) दो महिलाएं, शिक्षा निदेशक का एक प्रतिनिधि, अभिभावक अधिकतम दो कार्यकाल तक समिति में रह सकेंगे।

ट्रांसजेंडर की हत्या के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मधु बिहार इलाके में एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति की बेरहमी से की गई हत्या के मामले को महज 12 घंटे के भीतर सुलझाते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान गाजीपुर गांव निवासी रहान उर्फ इक्का (19) और गाजियाबाद निवासी मोहम्मद सर्वर (20) के रूप में हुई है।क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह के अनुसार, चार अगस्त को मधु बिहार थाना क्षेत्र के टेल्को टी-प्वाइट के पास झाड़ियों में एक ट्रांसजेंडर की लहलुहान लाश मिलने की सूचना मिली थी। मृतक के शरीर पर चाकू से कई वार किए गए थे। जांच में मृतक की पहचान करण उर्फ अनू के रूप में हुई है। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच ने मामले की जांच शुरू की। टीम ने ट्रांस-यमुना, गाजियाबाद और मेरठ में कई स्थानों पर

छापे मारे। इस बीच एक पुख्ता सूचना के आधार पर टीम ने रात करीब 12 बजे लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टेशन के पास से दो युवकों को पकड़ा। दोनों आरोपितों ने पूछताछ में करण उर्फ अनू की हत्या की बात स्वीकार की। उन्होंने बताया कि हत्या उसी दिन शाम को की गई थी। आरोपितों ने बताया कि उन्होंने ड्रेन के पास झाड़ियों में चाकू से वार कर हत्या की।पुलिस पुछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि करण उर्फ अनू और रहान उर्फ इक्का पिछले चार महीनों से लिंव-इन रिलेशनशिप में थे। इस दौरान रहान पीड़ित से बार-बार पैसे की मांग करता था और आर्थिक रूप से उसे ब्लैकमेल करता था। जब करण ने रहान से दूरी बनानी शुरू की, तो वह गुस्से और ईर्ष्या से भर गया। इससे नाराज होकर रहान ने अपने साथी मोहम्मद सर्वर के साथ मिलकर करण की हत्या की साजिश रची और उसे बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया।

नौकर की नीयत पर पड़ा लालच का पर्दा, 55 लाख की चोरी का खुलासा

हो गया कि वह रकम लेकर फरार हो गया है। इस संबंध में केशव पुरम थाने में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने



हरियाणा, उत्तराखंड, उप्र और दिल्ली में लगातार छपेमारी की। तकनीकी निगरानी के तहत 200 से अधिक कॉल डिटेल रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। आरोपित बार-बार ठिकाने बदल रहा था। लेकिन अंततः पुलिस ने उसे दिल्ली से धर

दबोचा। कड़ी पूछताछ में आरोपित नरेंद्र ने अपना जुर्म कबूल किया। उसने बताया कि वह आसान तरीके से बड़ी रकम कमाना चाहता था और

दिल्ली-एनसीआर में अगले हफ्ते तक नहीं होगी भारी बारिश

एजेंसी नई दिल्ली। । दिल्ली-एनसीआर के लोगों को आगामी दिनों में गर्मी और उमस से दो-चार होना पड़ सकता है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की ओर से जारी ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, अगले एक सप्ताह तक भारी बारिश की संभावना बहुत कम है। हालांकि आसमान में बादलों की अवाजाही बनी रहेगी और कुछ क्षेत्रों में हल्की फुहारें या बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, 6 और 7 अगस्त को अधिकतम तापमान 33-3 डिग्री सेल्सियस और 34 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान 26 डिग्री और 25 डिग्री रहेगा। इन दोनों दिनों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी के साथ आमतौर पर बादलों से घिरा आसमान रहने की

संभावना है। इन दिनों कोई चैतावनी जारी नहीं की गई है।

8 अगस्त से 10 अगस्त तक मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिलेगा। इस दौरान गर्जन के साथ बारिश की संभावना जताई गई है, लेकिन यह बारिश व्यापक या भारी नहीं होगी। तापमान 33-34 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा और न्यूनतम तापमान में भी ज्यादा अंतर नहीं आएगा। हालांकि इस दौरान भी मौसम विभाग ने किसी तरह की चेतावनी नहीं जारी की है।

11 अगस्त को बारिश या गरज-चमक के साथ छिटे पड़ सकते हैं, लेकिन बड़े स्तर पर बारिश की उम्मीद नहीं है। इस दौरान अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

सालों से बंद ‘यू स्पेशल बस सेवा’ फिर होगी शुरू : रेखा गुप्ता

एजेंसी नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सोलर स्कूल (मौसम नगर) के नए शैक्षणिक ब्लॉक का उद्घाटन करते हुए राजधानी के छात्रों को एक बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि वर्षों से बंद पड़ी यू स्पेशल बस सेवाओं को फिर से शुरू किया जाएगा। ये बसें अब आधुनिक सुविधाओं से युक्त होंगी, जिनमें एयर कंडीशनिंग, एलईडी लाइटिंग और म्यूजिक सिस्टम जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। मुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि दिल्ली विश्वविद्यालय को कुछ स्कूलों को गोद लेना चाहिए ताकि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और छात्र नियमित रूप से इन विद्यालयों में जाकर स्कूली बच्चों का मार्गदर्शन करें।

मुख्यमंत्री ने सोशल सेंटर स्कूल की उपस्थितियों की सराहना करते हुए कहा कि यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि 1947 में सामाजिक सेवा के उद्देश्य से शुरू हुआ यह

स्कूल अब एक भव्य चार मंजिला इमारत और 21 आधुनिक कक्षाओं वाले संस्थान में बदल चुका है।



मुख्यमंत्री ने इस स्कूल की देख- रेख व नवीनीकरण के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की सहानुता की। मुख्यमंत्री ने मौके पर विद्यालय को कक्षा 12वीं तक की पढ़ाई के लिए मान्यता देने की भी घोषणा की। इस उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री के साथ दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह, महापौर राजा

इकबाल सिंह, स्थानीय विधायक, विश्वविद्यालय एवं शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा सुधारों के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता और छात्रों के भविष्य को लेकर उनकी संवेदनशीलता दिल्ली की ‘श्रेष्ठ शिक्षा, श्रेष्ठ भविष्य’ की दिशा में मजबूती से आगे ले जा रही है। उल्लेखनीय है कि यू-स्पेशल बसें दिल्ली के कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए ही थीं। ये दिल्ली के विभिन्न व खास इलाकों से चलती थीं और मशहूर कॉलेजों तक जाती थीं। इनमें सिर्फ कॉलेज विद्यार्थी ही बैठते थे। दोपहर के बाद ये बसें फिर से विभिन्न कॉलेजों, नॉर्थ कैंपस व साउथ कैंपस से रवाना होती थीं। उस दौरान छात्रों के लिए ये बसें बेहद सुविधाजनक मानी जाती थीं। नब्बे के दशक में दिल्ली में प्राइवेट रेड लाइन बसें और बाद में ब्लू लाइन बसें शुरू हुईं। इसके बाद डीटीसी बसें लगातार कार्य होती गईं। परिणाम स्वरूप यू स्पेशल बसें भी बंद हो गईं।

एजेंसी नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने एक ऐसे साइबर अपराध गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो सुनिश्चित तरीके से लोगों को ठग रहा था। गिरोह के सदस्य खुद को एक्सिस बैंक का कर्मचारी बताकर लोगों से उनके क्रेडिट

कार्ड की गोपनीय जानकारी और ओटीपी प्राप्त कर हजारों-लाखों की ठगी कर रहे थे। पुलिस ने गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। इनके साथ गिरोह में एक महिला भी शामिल थी। पुलिस ने आरोपितों के पास से बड़ी मात्रा में डिजिटल उपकरण, बैंक दस्तावेज़, फर्जी

कंपनियों की मुहरें और क्यूआर कोड स्कैनर बरामद किए हैं। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी अमित गोयल के अनुसार 20 जून को साइबर थाने में एक शिकायत प्राप्त हुई। जिसमें पालम कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि उसे एक कॉल आया जिसमें कॉल करने वाला खुद को एक्सिस बैंक का

कर्मचारी बता रहा था। उसने पीड़ित को उसके खाते की कुछ निजी जानकारी देकर विश्वास में लिया और रिवॉउं पॉइंट रिडेम्प्शन के नाम पर क्रेडिट कार्ड का ओटीपी प्राप्त कर लिया। इसके बाद पीड़ित के एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड से 96,000 हजार की ठगी कर ली गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए

इस्पेक्टर प्रवेश कौशिक की देखरेख में पुलिस टीम ने जांच शुरू की। टीम ने गहन तकनीकी निगरानी, कॉल डिटेल ,बैंक की जानकारी, एटीएम में लगे सीसीटीवी फुटेज और नोबोकर एप की ट्रैजैक्शन रिपोर्ट का विश्लेषण किया। एटीएम फुटेज में एक चेहरे पर नकाब लगाए युवक को पैसे निकालते देखा

गया। जिसके आधार पर सदिंधों की पहचान शुरू हुई। डीसीपी के अनुसार तकनीकी जानकारी के आधार पर टीम ने मोहन गार्डन, उमम नगर स्थित एक कार्पोर सिंघ ने करण पर छापा मारा। जहां से तीन आरोपित अतुल कुमार, सनी कुमार सिंह और कौशल कुमार को दबोचा। यह मकान गिरोह ने ही फर्जी

बैंक खाता खोलने और साइबर ठगी के संचालन हेतु किराए पर लिया था। पूछताछ में आरोपित अतुल कुमार ने बताया कि उसे उसके परिचित सनी कुमार सिंह ने कौशल कुमार से मिलवाया। कौशल कुमार पहले कई प्राइवेट बैंकों में काम कर चुका है और बैंक खाता खोलने की पूरी प्रक्रिया में

पारंगत है। उसने अतुल के नाम से फर्जी कंपनी बनावायी ताकि वर्तमान खाता खोला जा सके। कौशल कुमार ने साइबर अपराधियों को ऐसे कई फर्जी खाते और किट उपलब्ध कराए। उसने मोहन गार्डन में किराए पर ऑफिस लेकर खाता खोलने का पूरा धंधा शुरू किया था।

मेहुल कलसे की स्टॉक मार्केट में
मजबूत शुरुआत, लिस्टिंग के बाद
शेयरों में आई और तेजी

हटाने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया जारी की गई थी, जिन्होंने कनेक्शन लगाने के बाद कोई रिफिल नहीं लिया था।

इस एसओपी के तहत, लगभग 12,000 अनधिकृत पीएमयूवाइड कनेक्शन समाप्त कर दिए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि 2024-25 के दौरान, लगभग 194 करोड़ एलपीजी रिफिल उपभोक्ताओं को विवरित किए गए और इनमें से केवल 0.08 प्रतिशत के लिए शिकायतें प्राप्त हुईं, जो कि ज्यादातर सफ्टिडी हस्तांतरण या वितरण में देरी से संबंधित थी।

